राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

बॉबी देओल, रणबीर कपूरने पूरी ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

शुक्रवार, 21 अप्रैल 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 10 अंक: 120 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रुपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

अमित शाह ने की एससीओ बैठक की अध्यक्षता

आपात स्थितियों को खत्म करने और उनसे बचाव के उपायों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में आपातकालीन स्थितियों की रोकथाम और उन्मूलन से संबंधित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य–राज्यों के विभागों के प्रमुखों की बैठक की अध्यक्षता की। एससीओ 2001 में स्थापित एक अंतर–सरकारी संगठन है, जिसमें भारत, चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान यानी आठ सदस्य देश शामिल हैं। 2017 में एक पूर्ण सदस्य देश के रूप में प्रवेश के बाद से भारत ने संगठन के साथ एक सक्रिय जुड़ाव बनाए रखा है। भारत एससीओ सदस्य देशों, पर्यवेक्षकों और संवाद भागीदारों के पारस्परिक लाभ के प्रस्तावों को शुरू करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। आपातकालीन स्थितियों की रोकथाम और उन्मूलन के लिए एससीओ सदस्य राज्यों के विभागों के प्रमुखों की बैठक के दौरान एससीओ सदस्य राज्यों के प्रतिनिधियों ने बड़े पैमाने पर आपातकालीन स्थितियों से संबंधित जानकारी साझा की।

प्रतिनिधि एससीओ के ढांचे के भीतर आपातकालीन स्थितियों की रोकथाम और उन्मूलन के क्षेत्र में सहयोग के लिए नवीन प्रथाओं, प्रौद्योगिकियों और भविष्य की संभावनाओं पर भी विचार साझा करेंगे। इन विचार–विमर्शों के आधार पर, सदस्य–राज्यों ने तैयारी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाया और आपातकालीन प्रतिक्रिया और संयुक्त रूप से एससीओ के ढांचे के भीतर प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं से उत्पन्न होने वाले प्रभाव को कम किया। प्रतिभागियों ने 2023–2025 में आपातकालीन स्थिति के उन्मूलन में सहायता प्रदान करने में सहयोग पर एससीओ सदस्य–राज्यों के बीच समझौते के कार्यान्वयन के लिए कार्य योजना पर भी चर्चा की और उसे मंजूरी दी। कार्य योजना एससीओ सदस्य–राज्यों के बीच आपातकालीन स्थितियों की रोकथाम और उन्मूलन से निपटने में सहयोग बढ़ाने में योगदान देती है।

26/11 मुंबई हमला: अगले 30 दिन में आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यापित करने की उम्मीद

वाशिंगटन। अमेरिका की अदालत ने जेल में बंद व्यवसायी तहव्वुर राणा के द्वारा पेश किए गए स्टेट्स कॉन्फ्रेंस मोशन को खारिज कर दिया है। इसे खारिज करने के पीछे की वजह राणा का 2008 के मुंबई आतंकी हमले में शामिल होने को लेकर है। इसके बाद अब अगले 30 दिनों के अंदर उसे भारत को प्रत्यर्पित किए जाने की उम्मीद है। कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ लॉस एंजिल्स में यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की जज जैकलीन चूलजियान ने इस मुद्दे पर आखिरी सुनवाई जून 2021 में की थी। मामले में आखिरी दलील जुलाई 2021 में दायर की गई थी। इसके बाद अदालत ने 17 अप्रैल को इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। सुनवाई के दौरान फेडरल

अभियोजकों ने तर्क दिया कि राणा को पता था कि उसका बचपन का दोस्त डेविड कोलमैन हेडली लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) में शामिल था। साथ ही ये लोग इसके सहयोगी भी थे। राणा हेडली की सभी मीटिंग्स के बारे में जानता था, इसे पता था कि इन बैठकों में क्या चर्चाएं हुई। कोर्ट में कहा गया कि राणा साजिश का हिस्सा था और इसे सभी हमलों के बारे में जानकारी थी, साथ ही इसने आतंकवादी कृत्य को अंजाम देने का बड़ा अपराध किया है। राणा को भारत में भगौड़ा घोषित किया गया: बता दें कि भारत के अनुरोध करने पर लॉस एंजिल्स में 10 जून को 62 साल के तहव्वुर राणा को गिरफ्तार किया गया था।

अतीक –अशरफ हत्याकाण्ड: न्यायिक आयोग की टीम ने किया काल्विन अस्पताल का दौरा, क्राइम सीन को किया गया रीक्रिएट

प्रयागराज। अतीक अहमद और अशरफ की हत्याओं की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग गुरुवार को कॉल्विन अस्पताल पहुंचा, जहां इस घटना को अंजाम दिया गया था। न्यायिक आयोग की अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायाधीश ए.के. त्रिपाठी और सदस्यों – सेवानिवृत्त आईपीएस सुबेश कुमार सिंह और सेवानिवृत्त न्यायाधीश बृजेश कुमार सोनी – ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। न्यायिक आयोग की टीम ने क्राइम सीन को फिर से रीक्रिएट किया। पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई थी। न्यायिक आयोग के सदस्यों ने हत्या के समय घटनास्थल पर मौजूद पुलिसकर्मियों की संख्या के बारे में पुलिस अधिकारियों से पूछताछ की। क्राइम सीन का नक्शा भी तैयार किया गया था। इससे पहले विशेष जांच दल (एसआईटी) गुरुवार को कोल्विन अस्पताल भी पहुंचा था जहां गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ को मार गिराया गया था। एसआईटी शूटआउट की घटनाओं को एक साथ जोड़ने और अतीक अहमद और अशरफ की हत्या तक की घटनाओं के क्रम को समझने की कोशिश कर रही है। माफिया

अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की पुलिस हिरासत में हुयी हत्या के मामले में शाहगंज थाना के एसएचओ अश्वनी कुमार सिंह समेत पांच पुलिसकर्मियों को बुधवार को निलंबित कर दिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने इसकी सूचना दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अतीक और अशरफ हत्या मामले में शाहगंज थाना के एसएचओ अश्वनी कुमार सिंह, एक उप निरीक्षक और तीन कांस्टेबल को बुधवार को निलंबित कर दिया गया।

कांग्रेस को दिग्विजय की दो टूक, कहा– जनता वोट देना चाहती, लेकिन हमारा संगठन कमजोर है

भोपाल। इस साल के आखिर में मध्यप्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने हैं। भाजपा और कांग्रेस के बीच यहां मुख्य मुकाबला होता है। दोनों पार्टियां अपनी–अपनी तैयारियों में जुटी हुई है। इन सबके बीच राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने अपनी ही पार्टी को आइना दिखा दिया है। दिग्विजय सिंह ने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस का संगठन कमजोर है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कह दिया कि पोलिंग के दिन भी कांग्रेस का इलेक्शन मैनेजमेंट कमजोर रहता है। दरअसल, मध्यप्रदेश के सीहोर में दिग्विजय सिंह पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि कांग्रेस का संगठन कमजोर रहता है। कांग्रेस नेता ने साफ तौर पर कहा कि हमारी पार्टी का जैसा संगठन होना चाहिए, वैसा नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव वाले दिन भी पोलिंग मैनेजमेंट में भारी कमी रहती है, जिस तरह की तैयारी पहले से होनी चाहिए वैसी नहीं होती है। इसके साथ ही दिग्विजय ने यह भी कह दिया कि जनता तो हमें वोट देना चाहती हैं लेकिन हमारा संगठन ही कमजोर है। दिग्विजय सिंह ने अपने वक्तव्य में यह नहीं बताया कि पार्टी का संगठन के आधार पर उन्हें कमजोर नजर आता है। दिग्विजय ने

पार्टी के पूर्व नेताओं – गुलाम नबी आजाद और ज्योतिरादित्य सिंधिया– पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस पर हमला करना दोनों के लिए शर्मनाक होना चाहिए क्योंकि पार्टी ने उन्हें सब कुछ दिया जब वे संगठन में थे। सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के इस बयान से सहमत हैं कि जब गुलाम नबी आजाद कांग्रेस में थे, तो वह पूरी तरह आजाद थे,लेकिन अब पुरानी पार्टी को छोड़कर वह गुलाम बन गए हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या भारतीय जनता पार्टी इन नेताओं का इस्तेमाल कांग्रेस पर हमला करने के लिए कर रही है, सिंह ने कहा, "कांग्रेस ने आजाद और सिंधिया को सब कुछ दिया। दोनों को कांग्रेस पर हमला करने के लिए ही कहा गया है। क्या यह दोनों के लिए शर्मनाक नहीं है।"

हम राहुल गांधी के मामले में सभी कानूनी विकल्पों का उपयोग जारी रखेंगे : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने अपने पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को गुजरात की एक सत्र अदालत से राहत नहीं मिलने के बाद बृहस्पतिवार को कहा कि वह इस मामले में सभी कानूनी विकल्पों का उपयोग जारी रखेगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, कानून के तहत जो भी विकल्प हमारे लिए उपलब्ध होंगे, हम उन सभी विकल्पों का लाभ उठाना जारी रखेंगे। उन्होंने यह भी कहा, अभिषेक मनु सिंघवी आज शाम चार बजे राहुल गांधी की अपील पर मीडिया को जानकारी देंगे। गुजरात में सूरत की एक सत्र अदालत ने 'मोदी उपनाम' वाले बयान को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दोषी ठहराये जाने के फैसले पर रोक लगाने की उनकी याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी।

ब्रिटेन के स्कूल में मुस्लिम कट्टरपंथियों का निशाना बन रहे हिंदू छात्र

धर्म परिवर्तन का बनाया जा रहा दबाव, लड़की पर भेका बीफ

नई दिल्ली। विदेश में पढ़ाई

को भारतीय समाज के बड़े वर्ग में प्रतिष्ठा से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन हालिया वर्षों में ब्रिटेन में विभिन्न शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले हिंदू छात्र–छात्राओं को नस्ली भेदभाव ढेलने की खबर भी सामने आई है। उन्हें उनकी कक्षा या स्कूल में पढ़ने वाले मुस्लिम छात्र निशाना बनाकर नस्ली टिप्पणी कर रहे हैं और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव भी डाल रहे हैं। हेनरी जैक्सन सोसायटी की रिपोर्ट में पाया गया कि सर्वेक्षण में शामिल 51 प्रतिशत हिंदू माता–पिता ने कहा कि उनके बच्चे ने स्कूलों में हिंदू–विरोधी घृणा का अनुभव किया है, जबकि 1 प्रतिशत से भी कम स्कूलों ने पिछले 5 वर्षों में किसी भी तरह की घृणा की घटना की सूचना दी है। लड़की पर सहपाठियों ने फेंका बीफ: सर्वेक्षण में शामिल केवल 19 प्रतिशत हिंदू माता–पिता का मानना थ्था कि स्कूल हिंदू–विरोधी घृणा की पहचान करने में

370 निरस्त होने के बाद बदमाशी घटनाएं

न केवल हिंदू विरोधी अपशब्दों का सामना करना पड़ता है, बल्कि बच्चों को स्कूलों में भी जेनोफोबिक और नस्लवादी गालियों का सामना करना पड़ता है। इन बच्चों द्वारा डराने–धमकाने का संकेत तब सामने आया जब माता–पिता ने खुलासा किया कि कैसे ब्रिटिश बच्चों ने हिंदू बच्चों को गैंग बनाकर दरकिनार कर दिया। रिपोर्ट में एक माता–पिता के हवाले से कहा गया है कि मेरे बच्चे को कई मौकों पर विशेष रूप से भारत में पीएम मोदी के उदय के बाद और अनुच्छेद 370 को रद्द किए जाने के बाद अन्य बच्चों से बदमाशी का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा, उन्हें श्काफिरश श के रूप में लेबल किया गया था, और धर्मांतरण या नरक में जाने की बात कही जाने लगी।

सक्षम थे। रिपोर्ट में बच्चों के प्रति हिंदू–विरोधी घृणा के व्यथित करने वाले विवरणों का खुलासा किया गया है। इसमें एक माता–पिता के साथ हिंदू–विरोधी गालियों का उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट में खुलासा करते हुए बताया गया है कि सकी बेटी को स्कूल में धमकाया गया और क्योंकि वह एक हिंदू इसलिए क्लासमेट द्वारा उस पर गोमांस फेंका गया।

हिरासत में ली गई अमृतपाल सिंह की पत्नी, लंदन भागने की फिराक में थी

चंडीगढ़। खालिस्तानी अलगाववादी नेता अमृतपाल सिंह की पत्नी किरणदीप कौर को गुरुवार को लंदन भागने की कोशिश के दौरान अमृतसर हवाईअड्डे पर हिरासत में ले लिया गया। लंदन के लिए फ्लाइट दोपहर 1:30 बजे रवाना होने वाली थी। सूत्रों ने बताया कि किरणदीप से अब सीमा शुल्क अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। खालिस्तान–समर्थक, वारिस पंजाब दे प्रमुख अमृतपाल सिंह 18 मार्च से फरार हैं, जब पंजाब पुलिस ने उसके संगठन पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई की और संगठन से जुड़े कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। पंजाब पुलिस सूत्रों के मुताबिक किरणदीप यूनाइटेड किंगडम का नागरिक है और यूके की पासपोर्ट होल्डर है। उनके खिलाफ पंजाब या देश में कोई मामला दर्ज नहीं है। किरणदीप कौर को एहतियातन उसी कानूनी प्रक्रिया के तहत हिरासत में लिया गया है जिसके तहत फरार आरोपियों के परिवार और परिचितों से पूछताछ की जा सकती है।

अमृतपाल सिंह की पत्नी किरणदीप कौर पुलिस के रडार पर थी और अमृतपाल के फरार होने के बाद पुलिस ने उससे पूछताछ की थी। पुलिस को वारिस पंजाब दे के लिए विदेशी धन जुटाने में किरणदीप की भूमिका पर संदेह था। छिपने के बाद से अमृतपाल सिंह ने अपने अनुयायियों को कई वीडियो संदेश जारी किए और दावा किया कि वह फरार नहीं हुआ है। कयास लगाए जा रहे थे कि अमृतपाल बैसाखी के आसपास सरेंडर कर सकते हैं। अमृतपाल ने आत्मसमर्पण नहीं किया, लेकिन उसके सहयोगी पापलप्रीत सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अमृतपाल के एक अन्य करीबी जोगा सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

राहुल गांधी की याचिका खारिज होने पर महबूबी मफ्ती ने कहा, भारतीय लोकतंत्र के लिए काला दिन

जम्मू। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने गुजरात की एक अदालत द्वारा मानहानि के एक मामले में राहुल गांधी की याचिका खारिज किए जाने के बाद गुरुवार को भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ष्काला दिनष् है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि इस मुल्क के लिए आज काला दिन है क्योंकि विपक्षी नेता के साथ इस किस्म का व्यवहार किया जाए तो मुझे लगता है कि कही न कही बीजेपी इस मुल्क को बनाना रिपब्लिक बनाना चाहती है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वो यहां की संविधान को खत्म करके अपने एजेंडे पर चलाना चाहती है वो बीजेपी राज चलाना चाहती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मानहानि मामले में जो फैसला आया है वो विपक्ष को एक संदेश है।

इसको लेकर उन्होंने ट्वीट भी किया है। महबूबी मफ्ती ने कहा कि भाजपा विपक्ष के सबसे प्रमुख चेहरे को परेशान कर रही है और किसी भी और सभी प्रकार की आलोचनाओं का अपराधीकरण करने से भाजपा राष्ट्र की स्थापना के उनके असली डिजाइन का पता चलता है। उन्होंने कहा कि भारत को बनाना रिपब्लिक में बदलने के लिए लोकतंत्र को नष्ट किया जा रहा है। एक पार्टी के वर्चस्व के पक्ष में कानूनों और एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी आखिरी उम्मीद न्यायपालिका से है। दुख की बात है कि हम देख रहे हैं कि किस तरह से न्याय में देरी हो रही है और कैसे चुनिंदा तरीके से सजा दी जा रही है।

पूर्व सीएम ने कहा कि अदालतें अनुच्छेद 370, बिलकिस बानो और सीएए पर अपने पैर खींचती हैं लेकिन कथित श्मानहानिश के मामलों को फास्ट ट्रैक करती हैं। जम्मू–कश्मीर बीजेपी के भयावह एकतरफा फैसलों का खामियाजा सबसे पहले भुगतने वाला था।

आखिर बागी क्यों हुए कई प्रत्याशी और क्या पड़ेगा चुनाव पर असर

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसीपुर,बलरामपुर। आखिर प्रत्याशी बागी क्यों हुए और इससे चुनाव में क्या फर्क होगा आदर्श नगर पंचायत तुलसीपुर बागी प्रत्याशियों मैं जनसंपर्क करना शुरू कर दिया है भारी समर्थन प्राप्त हो रहा है राहुल सोनी कक्कू से बात करने पर पता चला कि हम कई वर्षों से नगर की जनता का विश्वास जीतने में सफल रहे हैं हमने नगर की जनता के लिए बहुत से काम किए हैं विकास के क्षेत्र में भी योगदान करते रहे हैं फिर मेरा टिकट क्यों काटा गया ए सवाल जिला स्तर के पदाधिकारियों से है के ऊपर नाम भेजा ही नहीं गया जो लिस्ट है उसे क्या कह के नामों को हटाया गया है इसे सार्वजनिक करना चाहिए उनका यह भी कहना है कि बसपा की तरह भाजपा में भी हो रहा है आखिर प्रत्याशी बागी क्यों ना बने वही इस विषय पर मुन्नू तिवारी से बात किया गया तो उन्होंने कहा कि मैं लगातार कई वर्षों से भाजपा के हर कार्यक्रमों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेती रही समाज के हर वर्ग की सेवा करने का प्रयास करते रही और सीट महिला होने के नाते मेरा पहला हक बनता है हम लोगों को पार्टी ने दरकिनार कर जिले वालो ने ऊपर कैसी लिस्ट भेजी जो हमको पता नहीं है लेकिन हमारे साथ जास्ती हुई है इसी क्रम में बनारसी लाल मोदनवाल जो बरसों से भाजपा में हैं और जनता से जुड़कर भाजपा से जनता की सेवा करते रहे अब उनका आखिरी बार टिकट मांगना भी बेकार चला

गया इनका भी कहना है कि हम लोगों का नाम यहीं से निरस्त कर दिया गया और पार्टी में दूसरों को टिकट दे दिया वहीं आम नागरिक से बात करने पर उन लोगों का कहना है कि भाजपा ने टिकट सही वितरण ना कर बागियों को जन्म दिया है और इससे चुनाव प्रभावित ही होगा तमाम जिताऊ सभासद जिनका अपने वार्ड में बहुत ही अच्छा कार्य रहा है उनमें भी कई लोगों के टिकट काट दिए गए और वह भी अब बागी प्रत्याशी के रूप में अपना कौशल दिखाने को मजबूर हैं कुछ सभासदों का तो कहना है कि मैंने दो दो बार विजयश्री हासिल की और बहुत ही अच्छे वोटों से जीतता रहा हमारे टिकट ना मिलने से हमारे वार्ड के नागरिक भी निराश हैं जिनको जिनको भाजपा से टिकट नहीं मिला है अधिकतर सभासद बागी उम्मीदवार के रूप में निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं और इससे चुनाव में खासा फर्क दिखेगा दूसरी तरफ भाजपा के प्रत्याशी लोगों से मिलकर भाजपा को जिताने के प्रयास में लगे हैं इसी क्रम में अरुण देव आर्य बबलू के प्रतिष्ठान में एक विशेष बैठक की गई जिसमें तुलसीपुर के ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि श्री विक्की सिंह भी मौजूद रहे प्रत्याशी ने लोगों से हाथ जोड़कर निवेदन किया कि एक बार सिर्फ एक बार हमें मौका दे दे हम आपकी सेवा में ही रहेंगे।

सुनने में आया है कि आज प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल तुलसीपुर आ रहे हैं और बागियों को मनाने का प्रयास करेंगे लगभग 20 वर्षों से तुलसीपुर में चेयरमैन पद पर आसीन नहीं हो पाए हैं और निर्दलीय प्रत्याशी तथा एक बार सपा प्रत्याशी ही कुर्सी पर आसीन हैं इस बार भाजपा का प्रयास होगा कि इस खराब रिकॉर्ड को सही किया जाए और चेयरमैन की कुर्सी पर भाजपा का ही कोई उम्मीदवार रहे यदि इस बार भी चेयरमैन के पद पर भाजपा आसीन नहीं हो पाती है तो यह लगातार 25 वर्षों का रिकॉर्ड होगा।

ईद त्यौहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने हेतु पीस कमेटी की बैठक संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। तुलसीपुर आगामी त्यौहार को शांतिपूर्ण सौहार्दपूर्ण

ढंग से संपन्न कराए जाने हेतु पुलिस अधीक्षक केशव कुमार एवं अपर जिलाधिकारी प्रदीप कुमार की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न स्थानों से आए संभ्रांत गणमान्य उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने कहा कि सभी लोग ईद का त्यौहार आपसी भाईचारे एवं सौहार्द पूर्ण ढंग से मनाए। किसी भी नहीं परंपरा की अनुमति नहीं होगी। अपर जिलाधिकारी द्वारा ईद के त्यौहार के दृष्टिगत नगर क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र में साफ सफाई की समुचित व्यवस्था का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नम्रिता श्रीवास्तव, समस्त एसडीएम समस्त क्षेत्राधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनता का आशीर्वाद मिला तो नगर पंचायत गणेशपुर का होगा कायाकल्प:भोलू भाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। नगर पंचायत गणेशपुर से समाजवादी पार्टी (सपा) के

घोषित अध्यक्ष पद के प्रत्याशी नाहिद बानो के पति, युवा समाजसेवी भोलू भाई ने कहा सर्वप्रथम समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व एवं जिला अध्यक्ष एवं नगर पंचायत क्षेत्र की जनता को धन्यवाद देना चाहता हूं की पार्टी ने हमें नगर पंचायत गणेशपुर से टिकट देकर विश्वास किया है और हम पार्टी को विश्वास दिलाना चाहते हैं नगर पंचायत गणेशपुर मे जनता और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर समाजवादी विचारधारा को साथ लेकर पूरे नगर पंचायत में जनसंपर्क अभियान तेज कर जीत हासिल करूंगा। और नगर पंचायत गणेशपुर को जिले के सबसे उत्तम नगर पंचायत बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोडूगा। उन्होंने कहा कि हर घर शुद्ध पेयजल एवं खासकर बिजली समस्या प्रमुख रूप से दूर करेंगे। नगर पंचायत के सभी वार्डो में सफाई कार्य, सामुदायिक शौचालय,नाली, इंटरलॉकिंग एवं प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा। नगर पंचायत क्षेत्र के वासियों से मेरा निवेदन है अपना आशीर्वाद दे,। आपका आशीर्वाद एवं स्नेह से गणेशपुर बाजार को उत्तम नगर पंचायत बनाने का संकल्प पूरा होगा।

दवा के थोक व्यापारी के गोदाम में बृहस्पतिवार की भोर में अचानक लगी आग

स्टोर संचालक के मुताबिक इस अग्निकांड में करीब डेढ़ करोड़ रुपये का नुकसान हुआ

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोंडा। दवा गोदाम में आग लगने से करोड़ों की दवा हुई राख शहर कोतवाली क्षेत्र के रानी बाजार स्थित दवा के थोक व्यापारी के गोदाम में बृहस्पतिवार की भोर में अचानक आग लग गई। आग लगने से गोदाम के भीतर रखी दवाइयां जलकर राख हो गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। स्टोर संचालक के मुताबिक इस अग्निकांड में करीब डेढ़ करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। नगर कोतवाली क्षेत्र के रानी बाजार के रहने वाले श्रवण कुमार गुप्ता दवाइयों के थोक व्यापारी हैं।रानी बाजार में ही मुख्य सड़क पर उनकी नेशनल ड्रग हाउस के हाउस के नाम से गोदाम है। श्रवण के मुताबिक बुधवार की शाम दुकान बंद करने के बाद वह घर चले गए थे। बृहस्पतिवार की भोर में अचानक स्टोर में आग लग गई। आसपास के लोगों ने दुकान से धुंआ निकलता देखा तो इसकी सूचना पुलिस और फायर टीम को दी। जब तक फायर टीम पहुंचती तब तक आग ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में से लिया।गोदाम के भीतर से आग की लपटें निकलती देख पूरे इलाके में अफरा तफरी मच गई। आसपास के दुकानदार भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस व फायर बिग्रेड की छह गाड़ियों ने तत्परता से आग बुझाने का काम शुरू किया और करीब एक घंटे बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक पूरा गोदाम जल चुका था और उसमें रखी गई दवाइयां राख के ढेर में तब्दील हो चुकी थी। आग का कारण बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। ड्रग हाउस संचालक श्रवण कुमार गुप्ता के मुताबिक इस घटना में करीब डेढ़ करोड़ रूपये का नुकसान हुआ है। नगर कोतवाल राकेश सिंह ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। आग कैसे लगी इसका स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। शॉर्ट सर्किट आग की वजह बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस घटना की छानबीन कर रही है।

सपा प्रत्याशी ने दिया जबरदस्त जबाब,नामंकन लिया वापस,जिसे मर्जी हो टिकट दो मैं नही लडूंगा चुनाव

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला,बलरामपुर। नगर पालिका से सपा समर्थित प्रत्याशी तवक्कल हुसैन रिजवी ने खराब स्वास्थ्य के कारण गुरुवार को अपना पर्चा वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने मुझ पर भरोसा जताते हुए उतरौला नगर पालिका से अपना उम्मीदवार बनाया था किन्ही कारणों से 17 अप्रैल को मेरा टिकट काटकर डॉ हिना कौसर को सपा प्रत्याशी बनाया गया। उन्होंने अपना नामांकन पत्र भी दाखिल किया। नामांकन पत्र जांच के दौरान किसी त्रुटि के कारण उनका पर्चा निरस्त कर दिया। पार्टी द्वारा बुधवार रात को पत्र जारी कर मुझे पुनः सपा समर्थित प्रत्याशी बनाया गया। टिकट कटने के बाद मेरा स्वास्थ्य अत्यंत खराब हो गया जिस कारण अब मैं चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं हूं। मैंने पार्टी आलाकमान को इस मामले से अवगत करा दिया है। अब पार्टी जिसे भी अपना समर्थित प्रत्याशी बनाएगी मैं पूरे मनोयोग से उसे चुनाव लड़ाऊंगा। सपा द्वारा मुझे पुनः प्रत्याशी बनाए जाने पर मैं पार्टी का सदैव आभारी रहूंगा। पार्टी द्वारा जो भी कार्य मुझे दिया जाएगा उसका निर्वाहन करूंगा। हुसैन रिजवी ने अपने समर्थकों से समाजवादी पार्टी के समर्थित प्रत्याशी को पूर्ण मनोयोग से चुनाव लड़ाने उस जिताने का अपील किया।

रेहरा एव सेवतरी के रास्ते हो रही गेहूं तस्करी पर अकुंश लगाने मे सुरक्षा एजेंसियां हुई फेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

रेहरा,नौतनवां। थाना एव चौकी क्षेत्र मे पीकप व ट्रैक्टर

टालियो पर लादकर तस्कर प्रतिबंधित गेहूँ को सीमावर्ती गावो के रास्ते साइकिल कैरिग के माध्यम से नेपाल भेजने मे जुटे। जिम्मेदार मौन परसामलिक थाना क्षेत्र का सबसे चर्चित नाका रेहरा एव सेवतरी के रास्ते इनदिनों गेहूं की तस्करी का कारोबार बहुत ही तेजी से चल रहा है। गेहूं तस्कर आस पास के क्षेत्रो से गेहूं की ढुलाई कर उसे सीमावर्ती गांव रेहरा एव सेवतरी पहुचाते है। फिर उसे साइकिल के माध्यम से रास्ता किलियर होने पर सभी गेहूं को नेपाल भेजकर तस्कर खूब मालामाल हो रहे है। वही कुछ लोगो ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया की दिन रात चल रहे तस्करी के कारोबार से हम ग्रामीणों का गांव मे रहना सोना दुस्वार हो गया है। तस्करी के कारोबार मे सभी सुरक्षा एजेसियो की मिलीभगत होने के कारण गेहूं सहित हर वस्तुओ की तस्करी सीमावर्ती नाके के रास्ते जमकर हो रही है। विशेष सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार दोनो नाको के रास्ते प्रतिदिन लगभग पांच ट्रको से उपर का गेहूं तस्करों द्वारा नेपाल भेजा जा रहा है। जिससे भारत सरकार के राज्स्व की जबरदस्त क्षति हो रहा है।

राष्ट्रीय आय छात्रवृति में चयनित बाबामठिया के बच्चों को किया गया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। वजीरगंज विकासखंड के कम्पोजिट विद्यालय बाबामठिया में राष्ट्रीय आय छात्रवृति में चयनित बच्चों को सम्मानित किया

गया। जिसमें मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान विश्वजीत सिंह विशिष्ट अतिथि धीरेंद्र सिंह ए आर पी,संजय कुमार ए आर पी,घनश्याम मौर्य एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार आनन्द के द्वारा बाबा मठिया विद्यालय की ज्योति भारती,नरेंद्र कुमार,शशिकांत,श्रद्धा मौर्य,आलोक कुमार, देवेन्द्र कुमार,आशीष कुमार को माला पहनाकर,सामान्य ज्ञान बुक,पेन के साथ मिठाई खिलाकर उनके अभिभावकों का भी सम्मान किया गया।इस अवसर पर अभिभावकों ने बाबा मठिया विद्यालय के शिक्षण एवं स्टाफ की तारीफ की बच्चों के चयन पर हर्ष व्यक्त किया।ये बच्चे इण्टर तक हर माह 1000 रुपए छात्रवृति पायेंगे । जिससे इन्हें आगे पढ़ने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर धीरेंद्र सिंह ए आर पी,संजय कुमार ए आर पी,घनश्याम मौर्य ने सभी बच्चों के साथ विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार आनन्द के साथ रमेश कुमार,साबरमती,शिव प्रसाद,मनोज कुमार, डॉ.विजय शंकर मौर्य,नेहा वर्मा,गंगेश मिश्रा,लक्ष्मी मौर्य की सराहना की।सुनील कुमार आनन्द प्रधानाध्यापक व बाबा मठिया स्टाफ के द्वारा अतिथियों का सम्मान करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के रिक्त पदों के होने से 36 केंद्रों का संचालन सहायिकाओं के द्वारा संचालित

निकाय चुनाव के बाद भर्ती की संभावना

दैनिक बुद्ध का संदेश/ बृजभूषण तिवारी

गोंडा। बाल विकास परियोजना रूपईडीह के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के रिक्त पदों के होने से 36 केंद्रों का संचालन सहायिकाओं के द्वारा संचालित किया जा रहा है। जहां पर सहायिकाओं का कार्य केंद्रों की साफ सफाई,0से3 वर्षों के बच्चों को केंद्र पर बुलाना आदि कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई थी लेकिन बाल विकास परियोजना रूपईडीह के अंतर्गत 184 आंगनबाड़ी केंद्र तथा 22मिनी आंगन बाड़ी केन्द्र संचालित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार के द्वारा प्रत्येक आगनबाडी केंद्र पर एक आंगनबाड़ी कार्यकत्री तथा एक सहायक की नियुक्ति किए जाने का निर्देश है लेकिन

184 आंगनबाड़ी केंद्र पर मात्र 157 कार्यकत्री कार्यरत हैं जहां पर 27पद रिक्त पड़े हुए हैं। सहायिका मात्र 164कार्यरत है 20पद रिक्त चल रहे हैं।22 मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों पर 15 कार्यकात्री कार्यरत है 7रिक्त पड़े हुए हैं। रिक्त पड़े पदों के होने से 36केंद्रोका संचालन सहायिकाओं के हाथों में है। आंगनबाडी कार्यकत्रियों की पदों पर नियुक्ति ना होने से आए दिन क्षेत्र में किए जा रहे कार्य प्रभावित हो रहे हैं जिससे बच्चों का लंबाई ,वजन ,कुपोषित बच्चों का चिन्ह, अति कुपोषित बच्चों का संदर्भित जांच एनआरसी पर करवाना, पोषाहार वितरण, 0 से 5 वर्ष बच्चों की फीडिंग कार्य आदि कराने में भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है जिसको लेकर आंगनबाड़ी कार्यकत्री सहायिका एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के जिला अध्यक्ष कुसुम तिवारी ने कहां की रिक्त पदों के होने से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को रिपोर्ट कार्ड तैयार करने में बड़ी कठिनाइयां हो रही है जिससे आए दिन मानदेय के लिए चुनौतियां बनती जा रही हैं इस संबंध में बाल विकास परियोजना अधिकारी रुपईडीह दुर्गेश कुमार गुप्ता ने बताया कि रिक्त पदों पर भर्तियां करने के लिए जिला अधिकारी कार्यालय में सूचना भेज दी गई है निकाय चुनाव के बाद भर्ती की संभावनाएं ज्यादा है।

नकबजनी कर चोरी करने वाला प्रकाश मे आया वांछित अभियुक्तगिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटियाथोक,गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा द्वारा अपराध की रोकथाम एंव अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत वांछितध्प्रकाश में आए अभियुक्तों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षकध्थानाध्यक्षों को कड़े निर्देश दिए गये थे।उक्त निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक गोंडा के कुशल निर्देशन में क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक अभिषेक कुमार सिंह थाना इटियाथोक गोंडा के कुशल नेतृत्व में थाना इटियाथोक गोंडा पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 187/2023 धारा 380/411 भा0द0वि0 थाना इटियाथोक गोंडा से सम्बन्धित प्रकाश में आये वांछित अभियुक्त कमलजीत उर्फ ननकने पुत्र तिलकराम निवासी कोल्हुआ थाना इटियाथोक जनपद गोंडा को चोरी से सम्बन्धित माल दो जोड़ी पायल, एक नथुनी तथा नकद रुपया 5050ध्– के साथ इटियाथोक बाबागंज

रोड अयाह नहर पुलिया के पास थाना इटियाथोक जनपद गोंडा को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त का अपराधिक इतिहास मु0अ0सं0 430/2022 धारा 380 भा0द0वि0 थाना इटियाथोक गोंडा । मु0अ0सं0 134/2021 धारा 323/504/506/325 भा0द0वि0 थाना इटियाथोक गोंडा । मु0अ0सं0 228/ 2019 धारा 4/25 आयुध अधिनियम थाना इटियाथोक गोंडा। मु0अ0सं0 187/2023 धारा 380/411 भा0द0वि0 थाना इटियाथोक गोंडा ।अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना किया गया। गिरफ्तारकर्ता टीम में उ0नि0 अवधेश यादव, उ0नि0 बीरबल, हे0कां0 श्रवण कुमार यादव , हे0कां0 राकेश कुमार प्रजापति, कां0 जितेन्द्र यादव शामिल रहे।

पीस कमेटी की बैठक का हुआ आयोजन

इटियाथोक,गोंडा। आगामी ईद के त्यौहार के मद्देनजर इटियाथोक थाना कोतवाली परिसर में पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रभारी निरीक्षक अभिषेक सिंह ने की उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील की कि वे त्योहारों को त्यौहार की तरह बनाएं प्रेम और भाईचारा कायम रखें उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि त्यौहारों में कोई भी व्यक्ति खलल डालेगा तो पुलिस उस पर सख्त कार्यवाही करने से पीछे नहीं हटेगी उन्होंने प्रशासन की गाइडलाइन को भी बताया और उपस्थित लोगों से फिर अपील की कि प्रशासन की गाइडलाइन के अनुसार ही त्योहारों को मनाए कोई भी ऐसा कार्य न करें जिससे पुलिस को सख्त रवैया अपनाना पड़ेगा इस अवसर पर महेंद्र जैन, पल्लू चौधरी, राजन चौरसिया, रिंकू जयसवाल, पिंटू सोनी, पवन कुमार द्विवेदी, अंगद वर्मा, सिरताज अहमद, बड़कऊ सिंह, राकेश चतुर्वेदी सहित वरिष्ठ उपनिरीक्षक विश्वास कुमार चतुर्वेदी सहित क्षेत्र के सम्मानित प्रधान गण एवं सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

अज्ञात कारण से लगी आग, आठ लोगो का घर जलकर हुआ राख

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सदर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कपिया बुकनिहा ग्रांट के टोला अहिरवनडीह में गुरुवार दोपहर अचानक आग लग गया। जिसमें गोविंद, रमेश, कमलेश, हरिकिशुन, अमेरिका, भानमती, प्रेम चंद का घर जलकर खाख हो गया। ग्रामीणों ने दमकल विभाग की गाड़ी जब तक पहुची ग्रामीणों के अथक प्रयास से आग पर काबू पाया जा चुका हैं। तेज हवा में अज्ञात कारण से लगी आग से ऐसा लगा कि पूरे गांव को अपने आवेश में ले लेगा। हवा व तेज आंच के कारण कोई भी ग्रामीण करीब नही जा पा रहा था। हर कोई फोन करने में लगा हुआ था। बच्चे बुजुर्ग, महिलाए रोने लगी, अभी अपना अपना सामान लेकर गांव से बाहर भागने लगे। प्रधान राम नरेश यादव लगातार पुलिस, दमकल व राजस्व विभाग को फोन करके सबको सूचना दिया। ग्रामीणों का पूस का मकान, भूसा से भरा मंडिला, कंडा तेजी से जलने लगा गांव में जाने की हिम्मत नही हो रही था। दमकल विभाग से पता चला कि दोनों गाड़िया कहि और आग बुझाने गई हैं। ग्रामीण हिम्मत जुटा कर पम्पसेट चालू करके बुझाने लगे। ग्रामीण अपने ऊपर पानी डालकर आग बुझाते रहे। करीब एक घंटे बाद दमकल की गाड़ी, तहसीलदार शोहरतगढ़ अजय सिंह व पुलिस फोर्स मौके पर पहुच गए। आग पर पूर्ण रूप से काबू करने में सब लग गए तब जाकर सफलता मिली। गांव के लोग करीब दो घण्टो तक परेशान रहे और रोते रहे। तहसीलदार ने बताया कि साथ मे लेखपाल विजय कुमार साथ मे आए हैं आग से हुके नुकसान का आंकलन करते हुए तत्काल ऑनलाइन फिड किया जाय। जिसका जो भी नुकसान हुआ है उनके खाते में राहत ध नराशि भेजी जाएगी।

सावधानी ही तेज गर्मी व लू से बचावः डॉक्टर बृजेश चंद्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। इन दिनों चल रही गर्म मौसम की तेज लपटों में कई लोग लू की चपेट में आ जाते हैं। अगर आप नहीं चाहते कि आपके बच्चे, घर का कोई सदस्य व आप खुद ही इसकी चपेट में आए तो इस मौसम में आपको ये जरूरी सावधानियां बरतनी चाहिए अप्रैल के सामान्य दिनों में काफी तेजी से लू चल रही है इनसे बचाव के लिए उसका बाजार सीएचसी के विशेषज्ञ डॉक्टर बृजेश चंद्रा ने बताया कि खुले शरीर धूप में न निकलें, खासकर खुले सिर व नंगे पैर धूप में बाहर कतई न जाएं अगर धूप में बाहर निकलना ही पड़े तो सिर अवश्य ढंके। आंखों पर सनग्लासेस लगाएं और हो सके तो सफेद या हल्के रंग के कॉटन के कपड़े ही पहनें अचानक ठंडी जगह से एकदम गर्म जगह ना जाएं। खासकर एसी में बैठे रहने के बाद तुरंत धूप में ना निकलें।

कच्चा प्याज रोज खाएं। कूलर व ए सी के सामने से हटकर एकदम से बाहर न जाए। गर्मी के मौसम में चाय–कॉफी आदि गर्म पेय का सेवन अत्यंत कम कर देना चाहिए साथ ही मसालेदार चीजें भी कम खाएं। गर्मियों में प्यास बुझाने के लिए नींबू के रस में मिट्टी के घड़े अथवा सुराही के पानी का सेवन करवाना चाहिए। अत्यधिक बर्फ का पानी पीने से लाभ के बजाए हानि हो सकती है गर्मी के दिनों में हल्का व शीघ्र पचने वाला भोजन करना चाहिए। बाहर जाते समय खाली पेट नहीं जाना चाहिए। गर्मी के दिनों में बार–बार पानी पीते रहना चाहिए ताकि शरीर में जलीयांश की कमी नहीं होने पाए। पानी में नींबू व नमक मिलाकर दिन में दो–तीन बार पीते रहने से लू नहीं लगती तेज धूप और गर्म हवाओं में निकलने से बचें। यदि किसी कारण तेज गर्मी में घर से बाहर निकलना पड़े तो नींबू पानी या इलेक्ट्रॉल पीकर निकलें।शरीर में फ्लूइड की मात्रा को पूरा करने के लिए सिर्फ ताजे पानी पर निर्भर ना रहें। बल्कि ठंडा दूध और नारियल पानी जैसे देशी पेय जरूर पिएं।

ईदु–उल फितर शान्तिपूर्ण वातावरण में मनाये जाने के सम्बन्ध में पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। ईदु–उल फितर त्यौहार को शान्तिपूर्ण वातावरण में मनाये जाने के सम्बन्ध में पीस कमेटी की बैठक जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द, अपर जिलाधिकारी (वि0ध रा0) उमाशंकर की उपस्थिति में अम्बेडकर सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी संजीव रंजन ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आये हुए संभ्रान्त नागरिको, समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त थानाध्यक्षों व जनपद स्तरीय अधिकारियों को रमजान का पर्व एवं ईदु–उल फितर त्यौहार को शान्ति पूर्ण तरीके से मनाये जाने हेतु समस्त थानाध्यक्षों द्वारा आयोजित की गयी पीस कमेटी की बैठकों में थानाध्यक्षों द्वारा दी गयी जानकारी को जिलाधिकारी द्वारा प्रंशसा की गयी। जिलाधि ाकारी ने समस्त थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि छोटी से छोटी बातों पर विशेष ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है। नगरपालिकाध क्षेत्राधिकारीगण व समस्त थानाध यक्षों को निर्देश देते हुए कहा कि ईदु–उल फितर के त्यौहार को शान्तिपूर्ण तरीके से मनाये जाने हेतु किसी भी प्रकार की कठिनाई नही आनी चाहिए। जिलाधिकारी ने बैठक में आये हुए संभ्रान्त नागरिकोधविभिन्न समुदाय के लोगों से अपील किया कि सभी लोग मिलजुल कर ईदु–उल फितर का त्यौहार मनायें, किसी अन्य समुदाय के लोगों को कोई समस्या न होने पाये। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द ने समस्त एस0डी0एम0, समस्त क्षेत्राधिकारी, समस्त थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि जिलाधिकारी महोदय द्वारा जो भी निर्देश दिये गये है उसको सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए हम किसी स्तर से कोई भी कमी नही रखेंगे। सभी लोग शान्तिपूर्ण वातावरण में त्यौहार मनाये। पुलिस अधीक्षक ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों के दूर–दराज से आये हुए संभ्रात नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि गलत प्रवृत्ति के लोगों को किनारा करके आपस में प्रेम भाव से ईदु–उल फितर का त्यौहार मनाये। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिया कि बिना अनुमति के कोई जुलूस नहीं निकाला जायेगा। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 डी0के0चौधरी, अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ, समस्त उपजिलाधिकारी समस्त क्षेत्राधिकारी, समस्त थानाध यक्ष, जिला पंचायत राज अधिकारी, अधि0 अभि0 विद्युत सिद्धार्थनगर, समस्त अधिशासी अधिकारी, जे0ए0 उमाकान्त मिश्र, एवं संभ्रान्त नागरिक उपस्थित रहे।

पुराने रेलवे पुल पर सड़क निर्माण शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। कस्बा के सटे कूड़ा नदी पर बने पुराने रेलवे पुल पर सड़क निर्माण शुरू हो गया है। इससे नागरिको में हर्ष व्याप्त है। काफी समय से कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्र के लोगो द्वारा इस पुल पर सड़क निर्माण की मांग की जा रही थी। पुल पर बनी पुरानी इंटरलॉकिंग सड़क काफी खराब हो गयी है। इस पर से लोगों को आवागमन में काफी दिक्कत होती थी। नगर पंचायत द्वारा पुल पर सड़क निर्माण कार्य शुरू किया गया है। जल्द ही सड़क पूर्ण हो जाएगी। इससे कस्बा व ग्रामीण क्षेत्रो के करीब पचास हजार लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

सपा से पुनीता यादव ने किया नामांकन

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत उसका बाजार से सपा पद की उम्मीदवार पुनीता यादव ने चौथे दिन तहसील में पहुंचकर नामांकन की भारी संख्या में पहुंचकर पुनीता यादव ने नामांकन की है

हाल ही में सपा के जिलाध्यक्ष लाल जी यादव ने नौ उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की थी। सपा ने एक बार फिर से भरोसा जताया है पुनीता यादव को टिकट देकर नामांकन के दौरान पुनीता यादव ने कहा कि पांच सालो में जितना वादा किया था उतना पूरा किया गया है और कहे कि नगर पंचायत उसका बाजार के वार्डो में बनेगा एक एक पार्क बनेगा महिलाओं के लिए समुचित व्यवस्था किया जाएगा जनता के लिए नगर पंचायत में अपना होगा एंबुलेंस सेवा। इस नगर निकाय चुनाव में सरगर्मी तेज हो गई है अलग अलग उम्मीदवार अलग अलग वादे कर रहे है। नामांकन के दौरान अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेश यादव भी मौजूद रहे।

उसका पुलिस की सक्रियता ने मां बेटे को मिलाया

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। मैलानी एक्सप्रेस 15010 जो लखनऊ से गोरखपुर जा रही थी।

गुरुवार की सुबह उसका रेलवे स्टेशन पर ट्रेन रुकी तभी एक महिला भूलवश स्टेशन पर उतर गयी जबकि उसका बेटा ट्रेन में ही छूट गया। महिला इलाज कराने गोरखपुर जा रही थी। महिला का नाम अंजू देवी उम्र 44 वर्ष है। महिला के बेटे अनिल यादव ने जब देखा तो अपनी मां को ट्रेन में नही पाया जिसके बाद से अनिल खोजने लगा ट्रेन में एक व्यक्ति ने अनिल को बताया की उसका स्टेशन पर उतर गई है तो बृजमनगंज रेलवे स्टेशन पर उतरकर दूसरे ट्रेन पर चढ़ गया लेकिन ट्रेन उसका रेलवे स्टेशन पर न रुककर सीधे सिद्धार्थनगर जा रुकी ।जिसके बाद अनिल ने टेंपू पकड़कर उसका बाजार रेलवे स्टेशन पर जा पहुंचा तो अपनी मां को नही देखा तो हैरान रह गया। महिला के बेटे अनिल यादव ने बताया कि बलरामपुर रेलवे स्टेशन से गोरखपुर गई थी आधे घंटे खोज बीन करने के बाद जब नही पाया। इसी बीच पुलिस की गाड़ी देखा तो दौड़कर बुलाया और पूरी घटना एसएचओ दिनेश कुमार सरोज को सुनाई। इसके बाद पुलिस सक्रिय हुई और काफी खोजबीन पर उसकी माता उसका नौगढ़ मार्ग पर बुद्धी बाजार के पास मिली। पुलिस की सक्रियता से बेटे को बिछड़ी मां मिल गयी। पुलिस ने दोनों को थाना में भोजन भी कराया है। पुलिस के इस मानवीय कार्य का चहुँओर सराहना हो रही है। थाना अध यक्ष दिनेश कुमार सरोज ने बताया कि जैसे ही मामले की सूचना मिली है तो पुलिस टीम को एक्टिव करने के बाद तत्काल अनिल यादव की मां को बुद्धी बाजार रहने की सूचना मिली। वहा से उनकी मां को लाकर महिला के परिवार को सुपुर्द कर दिया गया है।

22 अप्रैल को मनाई जाएगी भगवान परशुराम की जयंती

धर्म रक्षा मंच के तत्वाधान में परशुराम वाटिका में होगा कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज,सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज जिला परिषद मार्केट

स्थित भाजपा कार्यालय पर धर्म रक्षा मंच के संरक्षक नि० विध ायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आगामी 22 अप्रैल को परशुराम जयंती मनाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के सभी सम्मानितजनों को आमंत्रित किया जायेगा। इसकी तैयारी को लेकर समिति का गठन करते हुए कार्यों के निष्पादन के लिए सदस्यों को नामित किया गया हैं। बैठक में परशुराम जयंती पर किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार विमर्श करते हुए कार्यक्रम की सफलता हेतु कार्ययोजना बनाई गई। इस दौरान राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि विगत वर्षों के भांति इस वर्ष भी धर्म रक्षा मंच के तत्वाधान में राप्ती नदी तट पर भगवान परशुराम की जयंती 22 अप्रैल 2023 शनिवार के दिन मनाई जाएगी। भगवान परशुराम का जन्म वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हुआ था। इस दिन अक्षय तृतीया का पर्व भी मनाया जाता है। भगवान परशुराम ने सनातन धर्म को बढ़ाने का काम किया था। परशुराम भगवान को विष्णु जी के छठा अवतार माना जाता है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के आयोजन के लिए ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि भनवापुर लवकुश ओझा को संयोजक, प्रध ान संघ अध्यक्ष डुमरियागंज दिलीप पाण्डेय उर्फ छोटे, प्रधान संघ अध्यक्ष भनवापुर लालजी शुक्ला को सहसंयोजक नामित किया गया हैं। उन्होंने जिम्मदारों को जिम्मेदारियां देते हुए अभी से कार्यक्रम के तैयारी व सभी सनातनियों से इस कार्यक्रम में सम्मलित होने का आवाहन किया हैं। इस दौरान लवकुश ओझा , विनोद श्रीवास्तव उर्फ पप्पू, लालजी शुक्ला दिलीप पांडेय उर्फ छोटे संजय मिश्रा, परविंद पांडेय ,कृष्ण कुमार पांडेय, रिशु सिंह, कमलेश त्रिपाठी, विनय पाठक, गणेश विश्वकर्मा, संतोष पासवान, चन्द्र भान अग्रहरी रामकृपाल, अर्जुन आदि उपस्थित रहे।

शत प्रतिशत नामांकन के लिए इंटर कॉलेज के अध्यापक भी कर रहे हैं छात्र व अभिभावकों से सम्पर्क

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोहास बाजार,सिद्धार्थनगर। स्कूल चलो अभियान के तहत श्री दुर्गा जी चौधरी पटेश्वरी प्रसाद इंटरमीडिएट कॉलेज पंटनी जंगल के अध्यापकों ने टोली बना कर क्षेत्र के समस्त उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों से संपर्क किया गया।जिसमें छात्रों को यह बताया गया कि पढ़ाई लिखाई सबका कर्तव्य है। इस कर्तव्य का पालन करना चाहिए।जो पढ़ेगा वही आगे बढ़ेगा।अभिभावकों, छात्रों व अन्य लोगों को यह बताया गया है कि कक्षा 6 से पंटनी जंगल इंटर कॉलेज में प्रवेश हो रहा है। अच्छी शिक्षा पाने के लिए अच्छा विद्यालय, अच्छे अध्यापक और अच्छे वातावरण की आवश्यकता होती है।जो पंटनी जंगल इंटर कॉलेज में विद्यमान है। इस दौरान प्रधानाचार्य शेष नारायण पांडेय ने कहा कि शिक्षा सभी का मौलिक अधिकार है।इसको पूरा करने के लिए अच्छे विद्यालय,अध्यापक और अच्छे वातवरण की आवश्यकता होती है। छात्र विद्यालयों से शिक्षा पूर्ण कर स्वालम्बी बनकर अपना अपने माता पिता,क्षेत्र व देश का नाम रोशन कर सकते हैं।

सम्पादकीय

दिल्ली विधानसभा के ऊपर खतरा!

तभी यह आशंका जताई जा रही है कि कहीं दिल्ली विधानसभा भंग न कर दी जाए। ध्यान रहे 1993 में दिल्ली विधानसभा बहाल हुई थी और पहला चुनाव भाजपा ने जीता था। पहले पांच साल में भाजपा ने तीन मुख्यमंत्री बदले और उसके बाद यानी 1998 से लेकर अभी तक एक बार नहीं जीत पाई है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह के भाजपा...

दिल्ली विधानसभा के ऊपर खतरा मंडरा रहा है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जिस तरह से दिल्ली की विधानसभा का इस्तेमाल कर रहे हैं वैसा किसी ने सोचा भी नहीं होगा। उनको जब भी प्रधानमंत्री के ऊपर हमला करना होता है या कोई ऐसी बात कहनी होती है, जिसके लिए मानहानि आदि का मुकदमा हो सकता है तो वे विधानसभा का विशेष सत्र बुला लेते हैं। फिर विधानसभा के अंदर विशेषाधिकार के दायरे में वे प्रधानमंत्री के ऊपर हमला करते हैं। उनके बारे में कुछ भी कहते हैं। विधानसभा में उनकी पार्टी का प्रचंड बहुमत है और स्पीकर उनका है तो वे जो कुछ भी कहते हैं वह कार्यवाही में भी दर्ज होता है और मीडिया में भी खबर बनती है लेकिन उसे लेकर उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकती है। विधानसभा का सत्र बलाने के लिए उप राज्यपाल की मंजूरी की जरूरत होती है लेकिन केजरीवाल ने उसका भी रास्ता निकाल लिया है। कोई भी सत्र जब अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होता है तो उसके बाद स्पीकर की ओर से उसका सत्रावसान करना होता है तभी जरूरत पडने पर नया सत्र बुलाया जाता है। लेकिन दिल्ली में सत्र

अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद लंबे समय तक उसका सत्रावसान नहीं किया जाता है। अगर सत्रावसान नहीं होगा तो स्पीकर किसी भी समय फिर से विधानसभा की बैठक बुला सकता है। दिल्ली का बजट सत्र समाप्त हो चुका है लेकिन अभी तक सत्रावसान नहीं हुआ है इसलिए स्पीकर ने विशेष बैठक बुला ली और उसमें केजरीवाल ने जम कर मोदी पर हमला किया। तभी यह आशंका जताई जा रही है कि कहीं दिल्ली विधानसभा भंग न कर दी जाए। ध्यान रहे 1993 में दिल्ली विधानसभा बहाल हुई थी और पहला चुनाव भाजपा ने जीता था। पहले पांच साल में भाजपा ने तीन मुख्यमंत्री बदले और उसके बाद यानी 1998 से लेकर अभी तक एक बार नहीं जीत पाई है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह के भाजपा की कमान संभालने के बाद भी केजरीवाल ने दो बार भाजपा को बुरी तरह हराया। इसके अलावा देश की राजधानी में आए दिन राज्य और केंद्र सरकार के बीच टकराव होता रहता है। केंद्र सरकार पहले ही कानून बना कर कह चुकी है कि उप राज्यपाल ही सरकार है। इसलिए विधानसभा नहीं भी रहे तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

बोलियों के साथ हिन्दी को बचाने की जरूरत है

भाषाओं को चलन से बाहर करना हो तो उन पर दूसरी भाषाएं थोप दीजिए। अंग्रेजी के चलन ने दुनिया की कई भाषाओं को जमींदोज किया है ठीक वैसे ही जैसे पूंजीवाद ने स्थानीय बाजारों को विलुप्त किया है। मॉल कल्चर ने कैप्टलिस्ट कल्चर को बढ़ावा दिया है। हर बड़ी मछली छोटी मछली को निगल जाती है। अवधी भाषा जिसे मध्ययुगीन कवि भाखा कहते हैं, गोस्वामी तुलसीदास जी उसी भाखघ के शिखर कवि हैं। जब खड़ी बोली हिन्दी न तो कविता की और न ही गद्य की भाषा प्रचलन में नहीं थी तब अवधी और ब्रजी ही सामान्य बोलचाल की भाषा थी। स्थानीय बोलियों ने अपने अपने कलेवर में भाषा को बुलंदियों तक पहुंचाने का कार्य किया। भोजपुरी, ब्रजी और अवधी ने हिन्दी का मार्गदर्शन किया। मेरठ और दिल्ली के आस पास बोली जाने वाली भाषा का परिमार्जन भी समग्र और समेकित रूप में खड़ी बोली हिन्दी का परिमार्जन है। कवि कबीर बनारसी भोजपुरी के चरम शिखर हैं जहां अन्य बोलियों के शब्द उनकी कविताई को तराशते हैं। मलिक मुहम्मद जायसी की अवधी में अवधी का ठेठ पन है तो गोस्वामी तुलसीदास जी की अवधी शिष्टता के आवरण में परिमार्जित हिन्दी है जहां उसकी निकटता दुनिया की अन्य भाषाओं के बोलियों से होती है। महाकवि सूरदास ब्रजभाषा के कवि महान कवि हैं। ध्यातव्य है कि भक्त शिरोमणि कबीर, महानायक तुलसीदास, लोक कवि जायसी और महाकवि सूरदास ने जिन बोलियों की कबिताई के बल पर जनधर्मी साहित्य का सृजन किया उसने बहुत हद तक खड़ी बोली हिन्दी का मार्ग प्रशस्त किया। आज हिन्दी विद्यालयों की चौखट से बाहर की जा रही है ऐसे में हिन्दी का जन चलन शून्यता की ओर अग्रसर है। ऐसे में हिन्दी को बचाने की जरूरत है। कहीं अंग्रेजी हिन्दी और उसकी जन बोलियों को जमींदोज न कर दे।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

मुद्दा : जेल में भी जिंदगी से जद्दोजहद

कुल मिलाकर देश के जेलों की स्थिति बहुत ही दयनीय है। ऐसे में सरकार को जेलों के प्रति अधिक से अधिक संवेदनशील होना चाहिए। क्योंकि जो व्यक्ति अपराधी के रूप में कैद हैं, वह एक जीवित इंसान भी हैं, जिन्हें पूर्ण रूप से और सम्मान से जीने का अधिकार है। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू इस मुद्दे पर अपना मत जता चुकी हैं कि जेलों में बहुत से लोगों को ना तो अपने मौलिक अधिकारों या कर्तव्यों के बारे में ...

सुशील देव

एक तो जेल। उसके अंदर भी परेशानी। देश में ज्यादातर जेलों की हालत खराब है। कुछ तो बेहतर हालत में हैं, मगर अधिकांश जेलों में क्षमता से अधिक कैदी भरे हुए हैं। इससे सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि भीड़–भाड़ वाले जेलों में कैदियों की हालत क्या होती होगी? किस तरह से उन्हें शौच–पेशाब, नहाना–खाना या सोने–बैठने में दिक्कत आती होगी। मीडिया के जरिए समय–समय पर जेलों की ऐसी व्यथा–कथा बाहर आती रहती है। मगर इसे लेकर न तो जेल प्रशासन और न ही सरकार के स्तर पर किसी प्रकार की गंभीरता देखी जाती है। सनद रहे कि सर्वोच्च अदालत तक चिंता जता चुकी है कि जेलों में क्षमता से अधिक कैदी रखना मानवाधिकार का उल्लंघन है।

विशेषज्ञों के मुताबिक खास तौर पर विचाराधीन कैदियों का लंबे समय तक जेलों में बने रहना चिंता का विषय है। 1970 में राष्ट्रीय जेल जनगणना से पता चला था कि जेल के 52 फीसद कैदी मुकदमे की प्रतीक्षा कर रहे थे। तब से धीरे–धीरे यह सिलसिला आगे ही बढ़ रहा है। यानी जेल में भीड़–भाड़ को कम करना है तो विचाराधीन कैदियों की संख्या को काफी कम करना होगा। भले ही यह अदालतों के बिना संभव नहीं, परंतु इस दिशा में न्याय प्रणाली के तीनों अंगों को सामंजस्यपूर्ण ढंग से कार्य करना चाहिए।

हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लोक सभा में जानकारी दी है कि देश भर की जेलों में बंद 1400 से अधिक कैदी अपनी सजा काटने के बाद जुर्माने की राशि का भुगतान नहीं कर पाने की वजह से अभी भी जेलों में बंद हैं। इनकी रिहाई समय से हो जाती तो शायद जेलों का भार कम होता। गौरतलब है कि जेलों में कैदियों को क्षमता से ज्यादा रखने के मामले में देश का सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश है। यहां कैदियों की संख्या लगभग दोगुना है। दूसरे नंबर पर बिहार और तीसरे नंबर पर मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र की जेलें हैं। इन जेलों में कैदियों का बहुत बुरा हाल है। इसके अलावा क्षमता से अधिक कैदी रखने वाले राज्यों में असम, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य शामिल हैं।

मतलब साफ है कि कैदियों को जेलों में रखने में असंतुलन बड़े राज्यों में ज्यादा है। अगर हम दिल्ली के तिहाड़ की एक जेल, नंबर–4 की बात करें तो वहां 740 की जगह 3700 से अधिक कैदी बंद हैं। यहां नहाने–धोने या टॉयलेट जाने के लिए लंबी लाइन लगानी पड़ती है। कई बार आपसी लड़ाई–झगड़े के कारण जेल प्रशासन को बहुत मशक्कत करनी पड़ती है। उन पर नजर रखने में संघर्ष करना पड़ता है। दूसरी ओर कोरोना जैसी महामारी भी कई जेलों के लिए चिंता का सबब बन गई थी।

एशिया की सबसे बड़ी जेल तिहाड़ में 80 प्रतिशत ऐसे कैदी हैं, जिन्हें अदालत से जमानत मिलने के बाद भी सलाखों के पीछे रहना पड़ रहा है। उनके पास जुर्माना के राशि चुकाने तक के पैसे नहीं। इस प्रकार दिल्ली में कुल 16 जेल हैं, जो करीब–करीब क्षमता से अधिक कैदियों से भरे हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्डस ब्यूरो यानी एनसीआरबी के मुताबिक देश में कुल 1412 जेलों में अपने निर्धारित क्षमता से अधिक कैदी बंद हैं। इसमें साल–दर–साल बढ़ोतरी ही होती जा रही है, जबकि जेलों की संख्या में मामूली वृद्धि हुई है। सर्वोच्च अदालत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एनवी रामना के मुताबिक आज आपराधिक न्याय प्रणाली में प्रक्रिया ही सजा बन गई है। इस वजह से भी जेलों में कैदियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसलिए अंधाधुंध गिरफ्तारी से लेकर जमानत हासिल करने में आ रही मुश्किलों के कारण विचाराधीन कैदियों को लंबे समय तक कैद में रखने की प्रक्रिया पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है।

अंडर ट्रायल के तौर पर कैदियों का सालों से बंद रहना उचित नहीं है। फास्ट ट्रैक अदालतों की स्थापना व खुली जेल बनाना इसके उपाय हो सकते हैं। इसके अलावा कई न्यायिक प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए त्वरित कदम उठाए जाने की जरूरत है। दुनिया के कई अन्य देशों की तुलना में भारतीय जेलों में कैदियों की अपेक्षाकृत कम संख्या होने के बावजूद कई समस्याएं हैं। भीड़–भाड़, अंडर–ट्रायल, कैदियों की लंबे समय तक हिरासत, असंतोषजनक रहने की स्थिति, उपचार कार्यक्रमों की कमी और जेल कर्मचारियों के उदासीनता के कारण असंतुलन की स्थिति है। यहां तक कि अमानवीय नजरिए ने आलोचकों का ध्यान खींचा है। भारत में जेलों की स्थिति के बारे में देश के बाहर भी अच्छी छवि नहीं है।

कुल मिलाकर देश के जेलों की स्थिति बहुत ही दयनीय है। ऐसे में सरकार को जेलों के प्रति अधिक से अधिक संवेदनशील होना चाहिए। क्योंकि जो व्यक्ति अपराधी के रूप में कैद हैं, वह एक जीवित इंसान भी हैं, जिन्हें पूर्ण रूप से और सम्मान से जीने का अधिकार है। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू इस मुद्दे पर अपना मत जता चुकी हैं कि जेलों में बहुत से लोगों को ना तो अपने मौलिक अधिकारों या कर्तव्यों के बारे में पता है, और ना ही संविधान की प्रस्तावना के बारे में जानकारी। बाहर आने पर समाज द्वारा बुरे बर्ताव की चिंता उन्हें अलग सताती है। इसलिए जेलों की बुनियादी ढांचे में सुधार के साथ पुनर्वास संबंधी उपयोगी कदम उठाना श्रेयस्कर होगा।

यह दिन विकलांग व्यक्तियों को नौकरियों की पेशकश, साहस और पहल की कहानियों को साझा करने और इस विचार को शुरू करने के लिए मन की बात का बेहतर मंच के रूप में जश्न मनाने और समर्थन करने का अवसर होगा। सांकेतिक तिथि के रूप में 11 का चुनाव इस अवधारणा को दर्शाता है कि छोटे प्रयास जब संयुक्त होते हैं तो महत्वपूर्ण परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रकार, विकलांगता...

मन की बात की शक्ति समावेशिता और पहुंच की दिशा में भारत की यात्रा का निर्धारण

संजना गोयल

2015 में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात के श्रोताओं के लिए एक अनूठा सुझाव दिया था– मैंने सोचा था कि हम लोगों को विकलांग कहते हैं या जानते हैं क्योंकि उनके शरीर की संरचना में कुछ कमी है या जिनके अंग सही से काम नहीं करते हैं। हालांकि, जब हम उनके साथ बातचीत करते हैं, तो हमें पता चलता है कि ज् भगवान ने उन्हें कुछ अलग शक्ति प्रदान की है जिसे हम अपनी आंखों से नहीं देख सकते हैं, लेकिन जब हम उन्हें काम करते हुए देखते हैं तो हमें उनकी प्रतिभा का एहसास होता है। इसलिए, मैंने सोचा कि क्यों न हमारे देश में विकलांग के बजाय दिव्यांग शब्द का इस्तेमाल किया जाए।

यह अक्षमता के क्षेत्र में समावेशिता और पहुंच की दिशा में एक क्रांतिकारी दृष्टिकोण की शुरुआत थी और मैं विश्वास के साथ कह सकती हूं कि यह इस माध्यम की शक्ति है, जिसे प्रधानमंत्री ने महसूस किया है और आत्मसात किया है। इस क्षेत्र के साथ मेरे 3 दशकों से अधिक के जुड़ाव और खुद व्हील चेयर पर होने के कारण, मैंने देखा है कि जब दिव्यांगजनों की बात आती है तो राष्ट्र के सामने कुछ गंभीर चुनौतियां होती हैं, जिनमें से तीन – अनुत्पादकता, शिक्षा और पहुंच सबसे महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, पिछले एक दशक में, हमारे प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में देश में एक आदर्श बदलाव देखा गया है। सबका साथ, सबका विकास की दृष्टि से, 3 दिसंबर, 2015 को सुगम्य भारत अभियान का शुभारंभ, विकलांग व्यक्तियों को जीवन के सभी पहलुओं में स्वतंत्र रूप से भाग लेने के लिए समान अवसर प्रदान करने की दिशा में उठाया गया एक आवश्यक कदम था। लेकिन सरकार की इस नीति के साथ–साथ, ऐसे लोगों के इर्द–गिर्द की कहानी में बदलाव की पहल करना भी उतना ही आवश्यक था या जैसा कि मैं इसे व्यवहार परिवर्तन के लिए जन समर्थन कहना चाहती हूं। उस रेडियो संबोधन के सात साल बाद आज समाज में विकलांग व्यक्तियों के प्रति लोगों के नजरिए में बदलाव साफ नजर आ रहा है। मन की बात हमारे प्रधानमंत्री को सीधे जनता से जोड़ती है जहां वे इस मुद्दे पर विस्तार से बोलते हैं और इससे व्यक्तियों और संगठनों को अपने–अपने क्षेत्रों में अधिक काम करने की ऊर्जा मिलती है। इसने सभी क्षेत्रों में विकलांग व्यक्तियों के बारे में सार्वजनिक धारणा को बदलने में मदद की है, चाहे वह मीडिया, शिक्षा या खेल हो, जिसके लिए कई पैरालंपियनों ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद भी दिया है। नवप्रवर्तन के लिए विचारों को आमंत्रित करने से लेकर, जो दिव्यांगजनों को उनके लिए मौजूदा पहलों और नीतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद कर सकते हैं, प्रधानमंत्री इस महत्वपूर्ण विषय पर प्रकाश डालने के लिए अक्सर मन की बात के मंच का उपयोग करते हैं। यहां तक कि देश में की जा रही छोटी से छोटी अभिनव और प्रेरक पहल को भी उनके द्वारा अपने रेडियो संबोधन में सामने लाया जाता है। उदाहरण के लिए मस्कुलर डिस्ट्रॉफी का उदाहरण लें, एक वंशानुगत विकार जो मांसपेशियों के द्रव्यमान के क्रमिक नुकसान का कारण बनता है, जिसे 27 नवंबर, 2022 को प्रसारित श्मन की बातय के 95वें एपिसोड में हाइलाइट किया गया था, जहां प्रधानमंत्री ने हमारे संस्थान इंडियन एसोसिएशन ऑफ मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के बारे में बात की थी जिसने बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाने में अद्भुत काम किया था। हालांकि अभी लंबा रास्ता तय करना है, लेकिन विकलांग व्यक्तियों के जीवन और अधिकारों में नई दिलचस्पी हमें सफलता की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। यह परिवर्तनकारी मन की बात कार्यक्रम 30 अप्रैल, 2023 को 100 एपिसोड के एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंच रहा है। मुझे उम्मीद है कि यह मंच आने वाले समय में भी समावेशी भारत के सपने को साकार करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। कुछ महत्वपूर्ण विषय जिनमें अधिक जागरूकता की आवश्यकता है, वे हैं यूनिवर्सल डिजाइन ताकि दिव्यांगजनों तक पहुंच बढ़ाई जा सके, कार्यस्थल में दिव्यांगजनों के लिए एक समान अवसर बनाने के लिए समुचित समायोजन का दृष्टिकोण, और संभावित स्टार्टअप और इनोवेटर्स के लिए बाजार पहुंच के पर्याप्त अवसर को बढ़ावा देना सहायक टच (एटी) क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए इसकी मांग बढ़ रही है। एक पृथ्वी – एक परिवार – एक भविष्य विषय के साथ जी20 में भारत की अध्यक्षता प्रगति और विकास के आसपास की चर्चाओं में विकलांग व्यक्तियों को शामिल करने को प्राथमिकता देने का अवसर प्रस्तुत करती है। यह भारत को समावेशिता और पहुंच को बढ़ावा देने में एक वैश्विक पथ प्रदर्शक के रूप में स्थापित करेगा, क्योंकि अपनी शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर भारत के लिए यह एक महान लक्ष्य है। इसके लिए, यह सुझाव दिया जाता है कि साल भर चलने वाले अभियान को लागू किया जाए, जिसमें हर महीने की 11 तारीख को विकलांगता के लिए विशेष दिन के रूप में नामित किया जाता है। यह दिन विकलांग व्यक्तियों को नौकरियों की पेशकश, साहस और पहल की कहानियों को साझा करने और इस विचार को शुरू करने के लिए मन की बात का बेहतर मंच के रूप में जश्न मनाने और समर्थन करने का अवसर होगा। सांकेतिक तिथि के रूप में 11 का चुनाव इस अवधारणा को दर्शाता है कि छोटे प्रयास जब संयुक्त होते हैं तो महत्वपूर्ण परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रकार, विकलांगता अधिकारों और समावेशन को बढ़ावा देने के लिए हर योगदान मूल्यवान है और इसे स्वीकार किया जाना चाहिए।

मैं मन की बात की आगामी 100वीं कड़ी और राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न मुद्दों पर हमारे प्रधानमंत्री के ज्ञान के शब्दों को सुनने के लिए उत्सुक हूं। मुझे विश्वास है कि सरकार द्वारा हम सबमें कर सकते हैं की भावना जगाने वाले कदमों की चर्चा मन की बात में और उसके माध्यम से होती रहेगी, ताकि पूरा देश समावेशी भारत के निर्माण के लिए उत्साह, प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए पंच प्राण को पूरा करते हुए, इससे ओत–प्रोत हो सके, क्योंकि हम अमृत काल में प्रवेश कर चुके हैं। (लेखिका अध्यक्ष, इंडियन एसोसिएशन ऑफ मस्कुलर डिस्ट्रॉफी है और लेखिका का नोटरू राष्ट्रीय दिव्यांगजन रोजगार संवर्धन केंद्र से इनपुट)

स्टोक्स के फिट होने से चेन्नई की सनराइजर्स के खिलाफ उम्मीदें बढ़ीं

चेन्नई। चार बार की चौम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम शुक्रवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेगी तो उसे उम्मीद रहेगी कि उसके स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स आखिरकार फिट होकर मैदान पर उतरेंगे। पांव की चोट के कारण स्टोक्स पिछले तीन मैचों में नहीं खेल पाए थे लेकिन चेन्नई के लिए यह राहत की बात है कि अब वह फिट हैं और चयन के लिए उपलब्ध हैं। स्टोक्स ने बुधवार को अभ्यास सत्र में भी हिस्सा लिया था। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) पर करीबी जीत दर्ज करने के बाद चेन्नई की टीम अपने घरेलू मैदान पर लौट रही है और ऐसे में इंग्लैंड के कप्तान की वापसी से उसे और मजबूती मिलेगी।

उसके प्रतिद्वंदी सनराइजर्स को पिछले मैच में मुंबई इंडियंस के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। डेवोन कॉनवे और रुतुराज गायकवाड़ की सलामी जोड़ी के शानदार प्रदर्शन तथा शिवम दुबे की आक्रामक पारी की मदद से चेन्नई ने पिछले मैच में बड़ा स्कोर खड़ा किया था। अजिंक्य रहाणे जिस तरह से बेफिक्र होकर आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे हैं, उससे चेन्नई को मजबूती मिली है लेकिन उसके अन्य बल्लेबाज खास योगदान नहीं दे पाए हैं। चेन्नई के प्रमुख बल्लेबाज जहां अपना जलवा दिखा रहे हैं वहीं उसके गेंदबाज रन प्रवाह रोकने में नाकाम रहे हैं। चेन्नई का क्षेत्ररक्षण भी अच्छा नहीं रहा है।

श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना ने आरसीबी के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन किया लेकिन अन्य गेंदबाजों के लिए ऐसा नहीं कहा जा सकता है हालांकि प्रत्येक मैच के बाद तुषार देशपांडे के प्रदर्शन में सुधार हो रहा है। चेन्नई को अगर सनराइजर्स के बल्लेबाजों पर लगाम कसनी है तो उसके तीनों स्पिनरों महेश तीक्ष्णा, रविंद्र जडेजा और मोइन अली को और बेहतर प्रदर्शन करना होगा। चेन्नई ने सनराइजर्स के खिलाफ

पिछले पांच में से चार मैचों में जीत दर्ज की है और वह अपने इस रिकॉर्ड को और बेहतर करने की कोशिश करेगा। दूसरी तरफ सनराइजर्स को अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी तथा इसमें कप्तान एडेन मार्कराम को अहम भूमिका निभानी होगी। सनराइजर्स को यदि चेन्नई को उसके घरेलू मैदान पर हराना है तो उसके सभी बल्लेबाजों को उपयोगी योगदान देना होगा।

सनराइजर्स को पिछले मैच में पावर प्ले में विकेट गंवाने का नुकसान उठाना पड़ा था तथा इसके बाद टीम के मुख्य कोच ब्रायन लारा ने कहा था कि मध्यक्रम के किसी बल्लेबाज को आखिर तक टिके रहना होगा। सनराइजर्स का दारोमदार हैरी ब्रूक पर भी टिका होगा। अगर उनका बल्ला चलता है तो फिर चेन्नई के लिए उनसे पार पाना मुश्किल होगा। सनराइजर्स के गेंदबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है। उसकी टीम में वाशिंगटन सुंदर है जिनका यह घरेलू मैदान है और वह अपनी विशेष छाप छोड़कर टीम को जीत दिलाने की कोशिश करेंगे।

टीम इस प्रकार हैं: चेन्नई सुपर किंग्सरू महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़, अंबाती रायुडू, मोइन अली, बेन स्टोक्स, रवींद्र जडेजा, अजिंक्य रहाणे, सिसंडा मगाला, शिवम दुबे, ड्वेन प्रीटोरियस, अहय मंडल, निशांत सिंधु, राजवर्धन हैंगरगेकर, मिचेल सेंटनर, सुभांशु सेनापति, सिमरजीत सिंह, मथीसा पथिराना, महेश तीक्ष्णा, भगत वर्मा, प्रशांत सोलंकी, शेख रशीद, तुषार देशपांडे। सनराइजर्स हैदराबादरू एडेन मार्कराम (कप्तान), अब्दुल समद, राहुल त्रिपाठी, ग्लेन फिलिप्स, अभिषेक शर्मा, मार्को यानसन, वाशिंगटन सुंदर, फजलहक फारूकी, कार्तिक त्यागी, भुवनेश्वर कुमार, टी नटराजन, उमरान मलिक, हैरी ब्रूक, मयंक अग्रवाल, हेनरिक क्लासेन , आदिल राशिद, मयंक मारकंडे, विवरांत शर्मा, समर्थ व्यास, संवीर सिंह, उपेंद्र यादव, मयंक डागर, नीतीश कुमार रेड्डी, अकील होसीन, अनमोलप्रीत सिंह। मैच भारतीय समयानुसार शाम 7रू30 बजे शुरू होगा।

बल्लेबाज ने गेंदबाजों पर हावी होने के लिए पर्याप्त प्रतिबद्धता नहीं दिखाईः संगकारा

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा का मानना है कि उनके सलामी बल्लेबाजों ने लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन अंतिम ओवरों में उनके बल्लेबाज लखनऊ सुपरजाइंट्स के गेंदबाजों पर हावी होकर नहीं खेल पाए जिसके कारण उन्हें हार का सामना करना पड़ा। लखनऊ ने सात विकेट पर 154 रन बनाए थे जिसका पीछा करते हुए राजस्थान को यशस्वी जायसवाल (44) और जोस बटलर (40) ने पहले विकेट के लिए 87 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई थी। राजस्थान ने हालांकि इसके बाद तेजी से विकेट गंवाए और उसकी टीम को 10 रन से हार का सामना करना पड़ा।

संगकारा ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा,'' हमारे सलामी बल्लेबाजों ने

वास्तव में अच्छी भूमिका निभाई और जब 12वां ओवर समाप्त हुआ तो हमें प्रति ओवर आठ रन की जरूरत थी और हमारे पर्याप्त विकेट बचे हुए थे। तब लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल नहीं था।'' उन्होंने कहा,,''दुर्भाग्य से हमने तीन ओवरों में तीन विकेट गंवाए लेकिन तब भी हम लक्ष्य हासिल कर सकते थे। अंतिम ओवरों में विशेषकर रवि विश्नोई के आखिरी ओवर में 19 रन का अच्छी तरह से बचाव किया। उन्होंने कहा कि बड़ा स्कोर नहीं बना पाने के बाद उनकी टीम की रणनीति आखिरी गेंद तक मैच को खींचना था जिसमें वह सफल रहे। आवेश ने कहा,'' पावर प्ले में हमारा स्कोर अच्छा नहीं था। यहां तक कि पारी के अंतिम ओवरों में भी हम तेजी से रन नहीं बना पाए थे। लेकिन जब हमने गेंदबाजी शुरू की तो पाया कि इस विकेट पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं है क्योंकि उससे उछाल नहीं मिल रही थी। इसलिए हमने अपनी रणनीति पर कायम रहने का फैसला किया। '' उन्होंने कहा,'' हम सभी जानते हैं कि आईपीएल में एक ओवर में मैच का पासा पलट जाता है इसलिए हमने जहां तक संभव हो मैच को वहां तक खींचने का प्रयास किया।

होने के लिए पर्याप्त प्रतिबद्धता नहीं दिखाई। यहां तक कि तब अगर कोई बल्लेबाज आउट हो जाता तो कोई असर नहीं पड़ता।'' संगकारा ने कहा,'' गेंद पुरानी हो जाने के बाद इस विकेट पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था लेकिन उन्होंने बहुत अच्छी गेंदबाजी की।''

लखनऊ के तेज गेंदबाज आवेश खान ने 25 रन देकर

पेंशन सुधार पर फ्रांस में धधक रही विद्रोह की चिंगारी, सड़कों पर गाना गाते दिखे राष्ट्रपति मैक्रों

दुनिया का एक मुल्क इन दिनों इतिहास के विद्रोह की सबसे बड़ी आग में धधक रहा है। सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद यह विद्रोह और धधक उठा है। फ्रांस में पिछले 3 महीने से पेंशन बिल के खिलाफ जनता का जबरदस्त प्रदर्शन हो रहा है। पेंशन सुधार के विरोध में पेरिस की सड़कों पर भीषण आगजनी और विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। पुलिस चौकी को आग के हवाले भी कर दिया गया। लेकिन फ्रांस में इन तमाम बिगड़ते हालातों के बीच राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों गाने गाते हुए दिखाई दिए हैं। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आते ही इस पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है और फ्रांस के राष्ट्रपति को सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल भी किया जा रहा है।

वीडियो मंगलवार को ऑनलाइन सामने आया जिसमें मैक्रों एक टेलीविजन संबोधन के बाद सड़क पर एक पारंपरिक गीत गाते नजर आए। उन्होंने अपने अलोकप्रिय पेंशन सुधारों पर तनाव को शांत करने की मांग की थी। शुरुआत में लोगों को यकीन नहीं हुआ और लगा कि वीडियो को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से बनाया गया है। लेकिन बाद में मैक्रों के करीबी लोगों ने कहा कि ये वीडियो असली है। बता दें कि फ्रांस में पेंशन बिल को सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी मिल गई है और इसके बाद फ्रांस के 200 शहरों में एक साथ प्रदर्शन हुए हैं। ऐसे में सवाल उठने लगे हैं कि मैक्रों का यह फैसला उनके राजनीतिक कैरियर के लिए एक बुरा सपना साबित होगा या फिर फ्रांस में हालात सामान्य हो जाएंगे। फ्रांस 3 महीने से जल रहा है। कोर्ट के फैसले के बाद पेरिस समेत 200 शहरों में हिंसा बढ़ गई। रेनन्स शहर में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस स्टेशन में आग लगा दी। पेरिस में पुलिस ने 112 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया। पेरिस सिटी हॉल के बाहर सरकार के खिलाफ नारेबाजी हुई। गुस्साई भीड़ ने बैस्टल स्क्वायर के बाहर आगजनी की।

मुंबई सिटी एफसी ने चेन्नईयिन एफसी को 1–0 से हराया

मंजेरी। मुंबई सिटी एफसी ने ग्रुप डी मैच के रोमांच से भरे अंतिम मुकाबले में चेन्नईयिन एफसी को 1–0 से हराया लेकिन

सुपर कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह सुरक्षित करने के लिएउसका यह प्रयास पर्याप्त नहीं था। बुधवार की रात को खेले गए इस मैच में मुंबई सिटी एफसी की तरफ से आयुष चिकारा ने गोल किया जो इस टीम के लिए उनका पहला गोल भी था। उनका यह गोल आखिर में निर्णायक साबित हुआ। लेकिन नॉर्थ ईस्ट यूनाइटेड की चर्चिल ब्रदर्स पर 6–3 की जीत के कारण मुंबई सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाया और उसकी टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

क्या हिटलर ने हिन्दुओं के स्वास्तिक को बनाया था अपनी नाजी पार्टी का चिन्ह, किस्मत लाने वाला निशान माना जाता था

हर तानाशाह के बारे में ये जानने के प्रयास जरूर हुए कि आखिर वो अपने देश में लोकप्रियता के शिखर पर कैसे पहुंचा। ये उन तानाशाहों के बारे में और भी ज्यादा प्रासंगिक हो जाता है जो सैन्य ताकतों के दम पर सत्ता में नहीं पहुंचते हैं। एक ऐसा ही तानाशाह जो लोकतांत्रिक तरीके से ही सत्ता तक पहुंचा और अंतिम समय तक भी उसके देश में उसके खिलाफ बगावत नहीं हो सकी। जब भी दुनिया के सबसे क्रूर तानाशाहों का जिक्र होता है तो सबसे पहले जर्मनी के पूर्व तानाशाह एडोल्फ हिटलर का नाम जेहन में आता है। इसके साथ ही दिमाग में एक सवाल भी कौंधता है कि हिटलर जैसी शख्शियत का मालिक यूरोप के एक शिक्षित देश जर्मनी का हुक्मरान और लाखों दिलों का चहेता कैसे बन गया? फ्रांस में कई लड़ाईयां लड़ीः एक मामूली इंसान जो दुनिया का सबसे क्रूर तानाशाह बन गया और लाखों लोगों का कत्ल करवा दिया। वो दुनिया के नक्शे से यहूदियों के नामोनिशान मिटा देने का सोना देखता था। उसकी सनक की वजह से पूरी दुनिया दूसरे विश्वयुद्ध की आग में जल उठी। एडोल्फ हिटलर का जन्म आज ही के दिन यानी 20 अप्रैल को ऑस्ट्रिया के वॉन में साल 1889 में हुआ था। पिता की मौत के बाद एडोल्फ हिटलर ने 17 साल की उम्र में ऑस्ट्रिया को छोड़ वियना की ओर रुख किया। हिटलर को आर्ट स्कूल में दाखिला नहीं मिला तो वो पोस्टकार्डो पर तस्वीरें बनाकर गुजर बसर करने लगा। 1914 में जब पहला विश्व युद्ध हुआ म्यूनिख में रह रहे हिटलर ने सेना में भर्ती होकर फ्रांस में कई लड़ाईयां लड़ी। एक लड़ाई के दौरान घायल होने पर हिटलर को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। फिर जब 1918 पहला विश्व युद्ध खत्म हुआ तो हिटलर को जर्मनी की हार का बेहद दुख हुआ। स्वास्तिक को अपनी पार्टी का निशान बनाया?: साल 1918 में हिटलर ने नाजी पार्टी बनाई, जिसके सदस्यों में देशप्रेम कूट कूट कर भरा गया था। उसने स्वास्तिक जैसे निशान को अपनी पार्टी का चिन्ह बनाया। जिसे हिंदू धर्म के लोग शुभ प्रतीक मानते हैं। इसे हकेनक्रुएज कहा गया था। ये लाल बैकग्राउंड पर सफेद गोले के भीतर एक काला चिन्ह है। जर्मनी में हकेनक्रेज के अलावा हुक्रड क्रॉस भी कहते हैं। ये स्वास्तिक से मिलता जुलता है। ये चिन्ह दाहिनी तरफ से 45 डिग्री पर रोटेट किया हुआ है और इसमें स्वास्तिक में लगने वाले चार बिंदु भी नहीं हैं। हिटलर ने पहले विश्व युद्ध में जर्मनी की हार के लिए यहूदियों को जिम्मेदार ठहराया। जर्मनी के आर्थिक हालात काफी खराब हो चुके थे। ऐसे में जब नाजी पार्टी के नेता हिटलर ने अपने भाषणों में अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का भाषण दिया और बड़े–बड़े वादे किए। जर्मनी के लोग उसकी पार्टी की तरफ आकर्षित होने लगे। हिटलर ने जर्मनी के लोगों को सुखी जीवन का सपना दिखाया। 1922 तक जर्मनी में हिटलर की शोहरत काफी बढ़ चुकी थी। बंकर में कर लिया आत्महत्याः दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान जब हिटलर को लगने लगा कि अब वो नहीं जीत पाएगा, उसकी हार तय हो गई तो उसने पत्नी इवा ब्राउन के साथ खुद को बर्लिन में मौजूद खुफिया बंकर के एक कमरे में बंद कर लिया। सोवियत सेनाओं के पकड़ में आने से पहले ही उसने खुद को बंकर में बंद कर लिया और पकड़े जाने के डर से आत्महत्या कर ली थी।

सूडान में फंसे 4 हजार भारतीय, लोगों की निकासी है बड़ी चुनौती, रेस्क्यू कितना मुश्किल?

सूडान की राजधानी बम धमाकों तथा भारी गोलाबारी से दहलती रही है। सूडान में प्रतिद्वंद्वी जनरलों के प्रति वफादार बलों के बीच लड़ाई लगातार जारी है। सूडानी सेना और एक प्रतिद्वंद्वी अर्धसैनिक बल बीते दिन 24 घंटे के संघर्ष विराम के लिए सहमत हुए थे, हालांकि इसका पालन नहीं दिखा। सूडान के ताजा हालात ने भारत के लिए भी मुश्किलें खड़ी कर दी है। इस लड़ाई में तीन हजार से अधिक भारतीयों की सुरक्षा का संकट गहरा गया है। सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच भीषण लड़ाई के कारण वहां फंसे कई भारतीयों के चिंतित परिजन अपने रिश्तेदारों के बारे में किसी जानकारी की बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसके साथ ही चिंतित परिजनों ने सरकार से अपील की है कि संकटग्रस्त अफ्रीकी देश में फंसे

लोगों को निकालने की व्यवस्था की जाए। सूडान की राजधानी खार्तूम में भारतीय दूतावास भी भीषण लड़ाई वाले क्षेत्र में फंस गया है। ऐसे में दूतावास के अधिकारियों और स्टाफ को घर से काम करना पड़ रहा है। जंग की वजह से बिजली और संपर्क के साधन भी सीमित शेष हैं। वहीं भारतीयों के लिए एयरलिफ्ट अभियान को अंजाम देना भी मुश्किल है। सूडान में लड़ाई 15 अप्रैल को शुरू हुई और अब तक एक भारतीय सहित कम से कम 185 लोगों की मौत होने की खबर है, वहीं 1,800 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। सरकार के सूत्रों ने नयी दिल्ली में कहा कि सूडान में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत विभिन्न देशों के साथ समन्वय कर रहा है। इन देशों में अमेरिका, ब्रिटेन और सऊदी अरब शामिल हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सूडान की स्थिति पर सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में अपने समकक्षों से बातचीत की है और उन्होंने उन्हें उस देश में भारतीयों की सुरक्षा के लिए व्यवहारिक समर्थन का आश्वासन दिया है। सूडान का अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) लूटपाट कर रहा है और लोगों की कारों को भी ले जा रहा है। सूडान में करीब 4,000 भारतीय हैं जिनमें करीब 1200 लोग सूडान में बस गए थे और वे वहां करीब 150 वर्षों से हैं। अन्य प्रवासी भारतीय सूडान में पेशेवरों के रूप में काम कर रहे हैं, वहीं कुछ भारतीय संयुक्त राष्ट्र मिशन और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों में काम कर रहे हैं।

हिंडनबर्ग विवाद पर मिला था साथ, अब गौतम अडानी ने शरद पवार से की मुलाकात, 2 घंटे तक बंद कमरे में हुई बात

अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने एनसीपी सुप्रीम और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शरद पवार से मुलाकात की है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि उद्योगपति गौतम अडाणी ने गुरुवार को मुंबई में राकांपा प्रमुख शरद पवार से उनके आवास पर मुलाकात की है। ये मीटिंग दो घंटे तक चली है। उद्योगपति गौतम अडानी संग एनसीपी नेता की मुलाकात शरद पवार की तरफ से उस बयान के बाद सामने आई है जिसमें उन्होंने अडानी समूह के खिलाफ हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए आरोपों की संयुक्त संसदीय समिति की जांच को लेकर दी थी।

मई में भारत आएंगे पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो, एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में लेंगे हिस्सा

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो मई में गोवा में

एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए भारत आएंगे। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार भुट्टो उस पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी जो गोवा में 5 और 5 मई को एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेगा। विदेश मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी 4 और 5 मई को गोवा में आयोजित होने वाले विदेश मंत्रियों की शंघाई सहयोग परिषद में पाकिस्तान प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी और मुख्य न्यायाधीश उमर अट्टा बंदियाल शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के नेताओं और गणमान्य लोगों में शामिल हैं, जिन्हें आने वाले महीनों में होने वाले आठ सदस्यीय समूह की बैठकों में भारत द्वारा आमंत्रित किया गया है। भुट्टो जरदारी को निमंत्रण जनवर में ही में विदेश मंत्रालय से चीन के किन गैंग सहित अन्य एससीओ विदेश मंत्रियों के लिए भेजे गए आमंत्रण के साथ भेजा गया था।

खाना पकाते समय गैस सिलिंडर से लगी आग, मां –बेटी की मौत

देवरिया। मईल थाना क्षेत्र के करौता गांव में रसोई गैस सिलिंडर से खाना पकाते समय . क्षेत्र पंचायत सदस्य के घर आग लगने से मां और बेटी की मौत हो गई। ग्रामीणों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। परिवार में चीख–पुकार मच गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया। करौता गांव निवासी उपेंद्र मद्धेशिया की मां सुशीला देवी क्षेत्र पंचायत सदस्य हैं। उनकी बहू नीतू मद्धेशिया (35) हैं। दोपहर में वह खाना पका रही थीं, इसी बीच अचानक गैस सिलेंडर में रिसाव के कारण आग लग गई। उसी कमरे में उनकी बेटी भी थी। आग देखकर मां–बेटी दोनों घर में ही छिप गई। आग मुख्य दरवाजा पकड़ते हुए पूरे घर में फैल गई, जिससे मां–बेटी आग की चपेट में आ गईं और गंभीर रूप से झुलस गईं। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दोनों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसिया चंदौर ले गए, जहां स्थिति गंभीर देख डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई। एसआई अरविंद कुमार ने बताया कि मौके पर गया था। दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए हैं। सूचना मिली है कि दोनों की मौत हो चुकी है। शव को लेकर परिजन घर आ रहे हैं। घटना की जानकारी होने पर तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। सीओ अंशुमन श्रीवास्तव ने बताया कि रसोई गैस सिलिंडर में रिसाव के चलते आग लगी है। इसमें मां–बेटी की मौत हो गई है।

घर से बुलाकर ग्राम प्रधान के बेटे की हत्या, मुकदमा दर्ज

सलेमपुर। थाना क्षेत्र के महदहा गांव के ग्राम प्रधान के बेटे की भोर बदमाशों ने घर से बुलाकर हत्या कर दी। उसका शव गुमटी के पीछे खून से लथपथ मिला। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीण हंगामा करने लगे। कोतवाल के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ। प्रधान की तहरीर पर कोतवाली पुलिस अज्ञात बदमाशों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई है। पुलिस घटना के अगल–बगल लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाल रही है। कोतवाली क्षेत्र के महदहां गांव के प्रधान जय नारायण यादव हैं। उन्होंने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि भोर में करीब चार बजे उनके बेटे मंटू यादव (28) को साजिश के तहत किसी ने बुला कर हत्या कर दी है। बदमाशों ने साक्ष्य मिटाने के लिए सलेमपुर– देवरिया मुख्य मार्ग पर रामपुर मोड़ के पास स्थित एक गुमटी के पीछे शव रखकर बांस और बल्ली से ढक दिया था। काफी खोजबीन के बाद जब उसका पता नहीं चला तो परिवार के लोग गांव के बाहर तलाश करते हुए निकले। इसी बीच किसी ने देखा कि गुमटी के पीछे एक युवक का शव पड़ा हुआ है। पहचान करने के बाद मृतक के पिता ने कोतवाली पुलिस से कार्रवाई की मांग की। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाल गोपाल पांडेय ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। घटनास्थल के अगल–बगल लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है।

रेगुलेटर लीक होने से सिलिंडर में लगी आग

भिटौली/बरगदवा। प्राथमिक विद्यालय किशुनपुर में दोपहर मध्यान्ह भोजन बनाते समय गैस सिलिंडर का रेगुलेटर लीक होने से आग लग गई। सफाईकर्मी सुग्रीव आजाद ने किसी तरह आग पर काबू पाया। प्रधानाध्यापक ज्ञानेंद्र साहनी ने बताया कि मध्यान्ह भोजन बनाते समय अचानक गैस सिलिंडर में आग लग गई। आग पर काबू पा लिया गया। कोई नुकसान नहीं हुआ है। इसी क्रम में बरईठवा टोले पर देर रात धुंइहर से लगी आग से श्रीपाल गुप्ता की भैस गंभीर रूप से झुलस गई। ग्रामीणों की सहायता से आग पर काबू पाया गया। गोदाम आग लगने से सामान जलकर राखः नौतनवां। इंदिरा नगर में दोपहर गोदाम में शार्ट सर्किट से लगी आग से सामान जलकर राख हो गया। आसपास के लोगों के सहयोग से किसी तरह से आग पर काबू पाया गया। इंदिरा नगर निवासी रामदरश सैनी की फूल सजावट के समान का गोदाम है। दोपहर बाद शार्ट सर्किट से आग लगने से गोदाम में रखी दो बाइक, एक ई रिक्शा, कूलर, दो फ्रिज आदि सामान जलकर राख हो गया। कस्बा चौकी प्रभारी ओम प्रकाश गुप्ता ने बताया कि आसपास के लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। खोरिया बाजार गांव के राजू मोदनवाल की झोपड़ी में आग लग गई। अनाज, कपड़ा आदि समान जलकर राख हो गया। ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया।

पुणे से मजदूर का शव घर पहुंचा तो मच गया मातम

फरेंदा/कोल्हुई। चार महीना पहने पूना कमाने गए युवक का आंधी में लोहे का होर्डिंग गिरने से मौत हो गई। इसकी जानकारी परिजनों को मिली तो घर में मातम मच गया। देर रात मजदूर का शव घर पहुंचा तो चीख पुकार मच गई। कोल्हुई थाना क्षेत्र के पिपरा सोहट निवासी राम अवध यादव (38) करीब चार माह पूर्व महाराष्ट्र के पूना में मजदूरी करने गए थे। जहां पर पिंपरी किचौड़ शहर में काम करते थे। सोमवार को दिन में काम से वापस कमरे पर लौट रहे थे कि अचानक आंधी आ गई। वह छिपने के लिए एक दुकान का सहारा लिए जहां पर आंधी के कारण सड़क के किनारे लगे लोहे का होर्डिंग अचानक गिर गया। इससे उसके नीचे दब कर गंभीर रूप से घायल हो गए। साथ के लोग उनको इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिए। उनके साथ भतीजा विशाल भी घायल हो गए थे। जिनका इलाज चल रहा है। रामअवध की मौत की खबर परिजनों को मिली। मृतक की तीन बेटी व एक आठ वर्ष का बेटा है। पिता की मौत की खबर मिलते ही बदहवास हो गए। परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। इस संबंध में थानाध्यक्ष महेंद्र यादव ने बताया कि सूचना नहीं मिली है।

चीनी, चावल की तस्करी के लिए मुफीद बनी सीमावर्ती क्षेत्र की पगडंडी

महराजगंज। सीमावर्ती क्षेत्र में पगडंडी तस्करी के मुफीद है। तस्कर आसानी से सामान सरहद पार करा देते हैं। सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा कर्मियों की सख्ती के कारण अक्सर सामान की बरामदगी होती है। चावल, चीनी, गेहूं आदि की बरामदगी तस्करों की सक्रियता को दर्शाने के लिए काफी है। नियम के अनुसार बरामद सामान का शुल्क जमा करने के बाद छूट जाता है। बीते वर्ष 2022 में कस्टम ने करीब 50 लाख राजस्व की वसूली की है। जनपद से लगे सीमावर्ती गांव से होकर चावल, चीनी, गेहूं आदि नेपाल ले जाने की कोशिश में तस्कर जुटे हैं। सुरक्षा कर्मियों की चौकसी के कारण सीमावर्ती क्षेत्र की पगडंडियों पर पकड़ लिए जाते हैं। कुछ तो सुरक्षा कर्मियों की नजरों से बचते हुए सरहद पार हो जाते हैं। सीमावर्ती थाना कोल्हुई, नौतनवां, सोनौली, परसा मलिक, ठूठीबारी और निचलौल से हर माह एसएसबी पुलिस और कस्टम सामानों को बरामद कर सीज कर देती है। भारत सरकार ने पिछले वर्ष मई माह से गेहूं नेपाल भेजने पर रोक लगा दिया है। सितंबर माह में चावल के निर्यात पर 20 प्रतिशत ड्यूटी के बाद सीमावर्ती क्षेत्र से नेपाल के लिए खाद्यान्य की तस्करी बढ़ गई है। वर्ष 2022 और 2023 में बरामदगी से तस्करों की सक्रियता के बारे में पता चलता है।

अक्षय तृतीयाः छह सुयोगों का हो रहा संगम

भगवान विष्णु व मां लक्ष्मी के पूजन से पूर्ण होंगे मनोरथ

आचार्य धीरज राजेन्द्र दूबे

गोरखपुर। अक्षय तृतीया (वैशाख शुक्ल पक्ष तृतीया) इस बार 22 अप्रैल को मनाई जाएगी। इस दिन आयुष्मान योग जहां लोगों को आरोग्य प्रदान करेगा, वहीं सर्वार्थ सिद्धि व अमृत सिद्धि योग श्रद्धालुओं के सभी मनोरथ पूर्ण करेंगे। इस दिन हो रहा छह सुयोगों का संगम विशेष रूप से यश, वैभव, धान–संपदा कारक है। गोरखपुर के ज्योतिषाचार्य धीरज जी के अनुसार तृतीय तिथि का मान 22 अप्रैल शनिवार को सुबह 7:49 बजे से अगले दिन सुबह 7:47 बजे तक रहेगा। इसे अबूझ मुहूर्त भी कहते हैं। इस दिन कोई भी मांगलिक कार्य बिना पूछे कर सकते हैं। भगवान विष्णु व देवी लक्ष्मी की पूजा का विशेष महत्व होता है। इस दिन भूमि, भवन, वाहन, आभूषण व बर्तन खरीदना शुभदायक माना जाता है। दान–पुण्य का भी विशेष महत्व होता है। इस दिन आयुष्मान, सौभाग्य, त्रिपुष्कर, रवि, सर्वार्थ सिद्धि व अमृत सिद्धि योग बन रहे हैं। इस दिन चंद्रमा भी उच्च राशि में होंगे, जो किसी भी कार्य के लिए बेहद ही ऊर्जाकारक माने जाते हैं।

भरे हुए जलपात्र का करें दान

इस बार ग्रहों के संयोग को देखते हुए अक्षय तृतीया पर भरा हुआ जलपात्र, मिष्ठान्न, श्वेत वस्त्र, नमक, शरबत, चावल, चांदी का दान करना बेहद शुभ फलदायी होगा। अक्षय तृतीया के दिन नए संवत्सर के पंचांग, धार्मिक पुस्तकों और फलों का दान भी पुण्यदायक होता है।

शहर में लोकल फाल्ट के नाम पर काटी जा रही बिजली

देवरिया। भीषण गर्मी में जर्जर तार और ट्रांसफार्मर दगा दे रहे हैं। समय रहते मरम्मत का काम पूरा न होने के कारण शहर में ही लोकल फाल्ट के कारण उपभोक्ताओं के घरों की बिजली गुल हो जा रही है। रात में कटौती से उनकी नींद खुल जा रही है और सुबह अन्य कार्य प्रभावित हो रहे हैं। वहीं देहात के इलाकों में हर रोज सात से आठ घंटे बिजली आग लगने का भय दिखा कर काटी जा रही है। ओवरलोड से ट्रांसफार्मर फुंक रहे हैं। शहर में कई जगहों पर मोबाइल ट्रांसफार्मर के जरिए बिजली की आपूर्ति की जा रही है। शहर के पुरवा चौराहा स्थित बिजली उपकेंद्र से सिंधी मिल, रामगुलाम टोला, कसया रोड, गायत्रीपुरम, पिड़रा सहित करीब 80 गांव की आपूर्ति जर्जर तार और ट्रांसफार्मर से हो रही है। सोमवार की रात इन जगहों पर अलग–अलग समय पर बिजली करीब तीन से चार घंटे कटी रही। जबकि दिन में इससे जुड़े गांवों की बिजली करीब एक सप्ताह से में दिन में गायब रही है। रामलीला मैदान उपकेंद्र से देवरिया खास, भुजौली कालोनी, उमानगर, तहसील रोड, अबूबकर नगर, महाराणा प्रताप कालोनी, देवरिया रामनाथ बाहर क्षेत्र में आपूर्ति होती है। इस उपकेंद्र के इनकमिंग फीडर में एक सप्ताह के भीतर चार बार खामी आने से बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। महाराणा प्रताप कॉलोनी में तीन वर्ष पुराने लगे केबल के फाल्ट होने के कारण शनिवार और सोमवार पूरी रात बिजली कटी रही। भटवलिया उपकेंद्र से शहर के राघवनगर, न्यू कालोनी, नाथ नगर में .रात एक–एक घंटे के लिए तीन बार बिजली आपूर्ति ठप हुई। शहर के सिविल लाइन रोड पर दोपहर में ट्रिपिंग के कारण बिजली आपूर्ति करीब दो घंटे तक प्रभावित रही।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत ,शव की नही हो पाई शिनाख्यात

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र उसका बाजार के कोल्हुआ प्रथम ढाला पर बुधवार को रात आठ बजे हमसफर ट्रेन के चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत हो गई हमसफर ट्रेन जो गोरखपुर से लखनऊ के तरफ जा रही थी। युवक के मौत की सूचना पाने पर उसका बाजार की पुलिस पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना अध्यक्ष दिनेश कुमार सरोज ने बताया कि देर रात्रि में एक युवक ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई जिसके बाद से पुलिस पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्यवाही में जुट गई लेकिन अभी तक युवक का शिनाख्यत नही हो पाया है।

'सेण्ट ऐण्ड्रयूज कालेज के प्रकरण पर हाईकोर्ट मे गोरखपुर विश्वविद्यालय ने गलती को किया स्वीकार'

गोरखपुर।विगत दो वर्षों से चल रहे सेण्ट ऐण्ड्रयूज कालेज प्रबन्धन के विवाद को उच्च न्यायालय प्रयागराज में योजित याचिका संख्या 5315ध्2023 को निस्तारित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा व्यक्तिगत बयान हल्फी तथा कुलसचिव के न्यायालय में उपस्थित होने पर याचिका को स्वीकृत करते हुए अपना निर्णयध्आदेश पारित किया।विश्वविद्यालय के अधिवक्ता द्वारा यह मान लेने पर कि विश्वविद्यालय द्वारा वास्तविकता एवं नियमों को समझने में गलतफहमी होने के कारण उक्त आदेश निर्गत हो गये थे.जिसको विश्वविद्यालय द्वारा वापस ले लिया जाएगा।न्यायालय ने याचिका की अनुमति प्रदान कर दी। साथ–ही–साथ, कॉलेज के पक्ष में प्रबन्ध समिति को बहाल करते हुए क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर के एकल संचालन सम्बंधी आदेश को भी मा0 उच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया।इस प्रकार अब सेण्ट ऐण्ड्रयूज कालेज में विधि मान्य प्रबन्ध समिति के स्थापित हो जाने से विश्वविद्यालय में लम्बित सभी कार्य शिक्षकों की प्रोन्नति सम्बंधी पैनल का अनुमोदन, सेण्ट ऐण्ड्रयूज कालेज के छात्रों के साथ भेद–भाव एवं केन्द्र अन्यत्र भेजना, अनुमोदन न प्रदान करना आदि कई महत्वपूर्ण कार्य अब सम्पादित होने की संभावना है।विगत दो वर्षों से सेण्ट ऐण्ड्रयूज कालेज के विद्यार्थी, शिक्षक तथा प्रबन्धन विश्वविद्यालय द्वारा प्रताड़ित एवं उत्पीड़ित हो रहे थे। माननीय उच्च न्यायालय के इस फैसले पर कालेज के सचिव प्रो जे के लाल, प्राचार्या डॉ रैना निवेदिता सैमुअल सहित कालेज के शिक्षकों और कर्मचारियों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

नियमों को ताख पर रख शहर में नहर पर बेहद करीब बन गया दो पुल

महराजगंज। शहर में गुजर रही नहर पर पुल बनाने में मानक का ख्याल नहीं रखा गया। महज 100 मीटर की दूरी पर तीन पुल बना दिया गया। दो पुल तो बेहद करीब हैं, इसे देखकर लोगों ने इसकी उपयोगिता पर सवाल खड़ा करते हुए कहा है कि व्यक्ति विशेष को लाभ पहुंचाने की नियत से नियम की धज्जियां उड़ा दी गई। शहर में भाजपा कार्यालय की ओर से जाने सड़क के किनारे नहर है। इस नहर जगह जगह लोगों को आने जाने के लिए अपनी सुविधा के अनुसार रास्ता बना रखा है, इससे आने जाने के दौरान गिरने की डर बना रहता है।

शहर में नहर के किनारे दोनों तरफ घर बना है। कुछ स्थानों पर पहले से ही पुल बना है। लोगों की जरूरत के अनुसार ज्यादा स्थानों पर पुल नहीं है तो लोग नहर पर अपने हिसाब रास्ता बना लिए हैं। चिऊरहां नहर से कटकर पंडित दिन दयाल इंटर से होकर नहर पिपरदेउरा की ओर जा रही है। इस नहर से होकर आगे बढ़ने पर इंटर कालेज से पहले ही दो पुल बना है। आगे बढ़ने पर मैरिज हाल है, यहां लोहे का पुल अपने हिसाब से बना दिया गया है। इससे थोड़ा सा आगे बढ़ने पर एक पुल बना है। यहां से आगे जाने पर एक पुल और मिला, इसके बाद हाई वे आ जाता है। हाई वे पर पुल बना है। नहर से आगे बढ़ने पर तस्वीर देकर हर कोई चौक जाएगा। दोनों पुल के बीच 50 मीटर से कम का फासला है। रास्ते से गुजर रहे मदन मोहन ने पुल निर्माण देख कर हंसते हुए बोले की समरथ के नहीं दोष गोसाई। ताकतवार के लिए नियम का कानून कोई मतलब नहीं है। पास में ही दो पुल बनाकर सरकारी धन का दुरूपयोग किया जा रहा है। यह कहते हुए वह आगे बढ़ गए। इन दोनों पुल से आगे जाने पर पिपरदेउरा मंदिर के सामने पुल से थोड़ी दूर पर नहर से गुजरने के लिए एक लकड़ी रखकर रास्ता बना दिया गया है। यह बेहद खतरनाक है। इस तरह से इस नहर पर 12 से अधिक स्थानों पर पटरी रखकर रास्ता बनाया गया है। घरों तक पहुंचने के लिए लोगों ने अपने हिसाब से नहर पर रास्ता बना लिया है। लोगों को मलाल है कि जहां जरूरत है, वहां पुल नहीं है। जिसने जुगाड़ लगाया, उसके घर के सामने पुल बन गया है। जहां रास्ता नहीं वहां पुल बना दियाः पनियरा क्षेत्र के इलाहाबास गांव के पास सड़क के किनारे खेत के पास पुल बना दिया गया है। यहां चौकाने वाली बात यह है कि पुल के आगे खेत है। रास्ता नहीं बना है। पुल बनाकर किसी तरह से रकम को खर्च कर दिया गया है। करीब चार पांच छह साल पहले पुलिया बनी थी।

नहर पर मनमाने ढंग से कराया पक्का निर्माणः शहर में पिपरदेउरा जाने वाली नहर पर एक स्थान पक्का निर्माण करा दिया गया है, यहां नहर का स्वरूप नाले की तरह से दिख रहा है। आस पास के लोगों ने बताया कि घर में जाने को परेशानी हुई तो नहर पर दोनों तरफ से पक्का दिवार चलाकर ऊपर से छत डाल कर रास्ता दिया गया।

पशु क्रूरता के विरुद्ध आवाज उठाने, नियंत्रित करने वाले उपायों पर मंथन

महराजगंज। नगर के सोनपति देवी महिला पीजी कॉलेज सभागार में पशु पक्षियों सहित सभी जीव जंतुओं के संरक्षण और संवर्धन को लेकर कार्यशाला का आयोजन हुआ। पशु क्रूरता के विरुद्ध आवाज उठाने, नियंत्रित करने वाले उपायों पर चर्चा की गई।

एनिमल वेलफेयर एसोसिएशन पुल एनिमल पब्लिक पॉलिसी फाउंडेशन नई दिल्ली की सदस्य सूरभि त्रिपाठी ने कहा कि पशुओं के साथ अनेक तरह से क्रूरता पूर्वक व्यवहार किया जाता है। मुर्गियों को पंख फैलाने तक की जगह नहीं दी जाती है। बकरे को खुलेआम काटा जाता है। मुर्गियों को उल्टा करके लटका कर उनके साथ क्रूरता किया जाता है। उन्होंने कहा कि पशुओं और जानवरों के साथ भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि तमाम धार्मिक स्थलों पर भी जानवरों के साथ भेदभाव किया जाता है और उनके खराब स्वास्थ्य के बावजूद उनके साथ क्रूरता की जाती है, जो उनके साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि पशुओं को चोट पहुंचाई जाती है। समाज में व्याप्त पशु क्रूरता दूर किए जाने के लिए पशुपालन विभाग कार्य तो करता है, पर इतने व्यापक स्तर पर क्रूरताएं होती हैं। रोकने के लिए सभी को पूरी क्षमता के साथ आगे आना होगा।

उन्होंने कहा कि हम शाकाहारी हो जाएं, प्लास्टिक का प्रयोग न करें। प्लास्टिक से पशुओं में कैंसर जैसे गंभीर रोग होते हैं। पूरे देश में अहिंसा फैलोशिप के माध्यम से पशु क्रूरता को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। इस फेलोशिप में कर्मठ युवक–युवतियों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। उन्होंने एक वेबसाइट की चर्चा करते हुए कहा कि इससे जुड़कर अपना आवेदन करें और पशुओं के साथ हो रहे अत्याचार को समाप्त करने के लिए पूरे देश में चलाए जाने वाले इस फेलोशिप में अपना योगदान देने के लिए आगे आएं। प्रबंधक डॉ. बलराम भट्ट ने शाकाहारी बनने पर जोर दिया।

विमल कुमार पांडेय, डॉ शांति शरण मिश्र, सुनील मिश्र, प्राचार्य डॉ हरि प्रकाश शर्मा, हरिओम पांडेय, उदय सिंह, रविशंकर सिंह, ज्योत्सना त्रिपाठी, माधवी शुक्ला, राज किशोर वर्मा, कृष्ण मोहन शर्मा, निकिता पांडेय आदि मौजूद रहे।

किसानों के घर जाकर गेहूँ खरीदेगा खाद्य विभाग'

गोरखपुर।सरकार द्वारा इस वर्ष किसानों को उनके गेहूँ विक्रय हेतु रू0 2125 प्रति कुन्तल न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है।अधिक से अधिक किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ दिलाने के लिए खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा मोबाईल क्रय केन्द्रों के माध्यम से किसानों के घर जाकर गेहूँ खरीदा जायेगा।इस व्यवस्था के अनुसार गोरखपुर सम्भाग के जनपदों यथा–गोरखपुर,महराजगंज, देवरिया व कुशीनगर में खाद्य विभाग एवं समस्त क्रय एजेंसियों के अधिकारियों को अपनी संस्थाध्अपने जनपद में अधिक से अधिक किसानों तक पहुँच कर गेहूँ खरीदने हेतु गांवों का क्लस्टर बनाकर मोबाईल क्रय केन्द्रों का गठन किये जाने का निर्देश दिया गया है।इच्छुक किसान नीचे दिये गये नम्बरों पर सम्पर्क कर अपनी सुविधानुसार अपने घर से ही गेहूँ विक्रय कर सकते है।गेहूँ विक्रय में किसी भी प्रकार की समस्या के समाधान हेतु कन्ट्रोल रूम नम्बर–कार्यालय, सम्भागीय खाद्य नियन्त्रक–0551 3582386, 8004143905 कार्यालय जिला खाद्य विपणन अधिकारी,गोरखपुर –7839565003, 0551 2230046 कार्यालय जिला खाद्य विपणन अधिकारी,महराजगंजरू– 7839565010 कार्यालय जिला खाद्य विपणन अधिकारी, देवरिया–7839565005 कार्यालय जिला खाद्य विपणन अधिकारी,कुशीनगर –9517456546.अतः किसान भाईयों से अपील है कि अपना गेहूँ अपने घर से ही बेचें तथा सरकार की न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना का अधिक से अधिक लाभ उठायें।

कंप्यूटर हो जाता अचानक बंद, घर में धीरे–धीरे घूम रहा पंखा

महराजगंज। गर्मी का असर दिखने लगा है। अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस रहा। तेज धूप के साथ हवाओं ने दिनचर्या को प्रभावित कर दिया है। इस बीच बिजली आपूर्ति की बदहाली से समस्या बढ़ गई। गर्मी बढ़ने से खपत भी बढ़ गई है, लेकिन लो वोल्टेज से सभी परेशान हैं। चाहे सरकारी कार्यालय हो या घर, लो वोल्टेज की समस्या से सभी प्रभावित हैं।

शहर में पड़ताल के दौरान आम लोगों की दुश्वारियां उभरकर सामने आईं। गर्मी से बेहाल लोगों ने बिजली के वोल्टेज कम होने की बात कही। शहर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भूतल पर एक कमरे में जरूरी कार्य को निपटा रहे फिरोज आलम परेशान दिखे, जाते ही बोले, भाई बहुत गर्मी है। क्या किया जाय, बिजली ने तो परेशान कर रखा है। कभी वोल्टेज पूरा मिल रहा है, तो कभी कम हो जा रहा है। कंप्यूटर काम करने के दौरान अप डाउन होने पर जरूरी डेटा उड़ जा रहा है। एक डेटा को फीड करने में तीन से चार बार लिखना पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि समस्या पता नहीं कब दूर होगी। पंखे की तरफ इशारा करते हुए बोले कि इसे देखिये, इसका चलना न चलना बराबर है। गर्मी में तो समस्या बढ़ गई है।

शिव नगर मोहल्ले के मनीष निगम का कोल्ड स्टोर है। लो वोल्टेज के कारण आइसक्रीम पिघल गई तो स्टेब्लाइजर लगाकर वोल्टेज बढ़ाने की कोशिश की गई। उन्होंने बताया कि दिन में कभी–कभी कुछ देर बिजली भी गुल हो जाती है। सबसे प्रमुख समस्या लो वोल्टेज की है। गर्मी में यह समस्या ज्यादा रहती है।

सुभाष नगर मोहल्ले में पहुंचने पर आदित्य राज मिले। वह पसीना पोछते बोले कि भैया रात में सबसे ज्यादा समस्या हो रही है। एसी चलने से लोड बढ़ जा रहा है, तो वोल्टेज लो हो जा रहा है। शाम छह बजे से सुबह में तीन बजे तक वोल्टेज ठीक नहीं रहता है। समस्या का समाधान होने की संभावना भी नहीं दिख रही है।

लोड के अनुसार ट्रांसफार्मर की क्षमता नहीं बढ़ाई गई है। मोहल्ले में अन्य लोग भी इस समस्या से परेशान हैं। शहर में चौक रोड के किनारे गबड़ूआ विस्तारित क्षेत्र है। यह गांव शहर का हिस्सा बन गया है। नगर क्षेत्र के आने के बाद लोगों ने समझा कि समस्या दूर हो जाएगी, लेकिन यहां तो पहले की तरह ही समस्या है। यहां मुख्य सड़क पर इरफान मिले तो मोहल्ले की समस्या गिनाते हुए बोले कि गर्मी का प्रभाव बढ़ गया है। घर के आसपास लो वोल्टेज की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। सोचा था कि नगर में शामिल होते ही समस्या दूर हो जाएगी, लेकिन कुछ नहीं हुआ। चंगेज ने भी समस्या पर रोष प्रकट करते हुए कहा कि लो वोल्टेज के कारण पंखा बहुत धीरे–धीरे चलता है।

50 एमवीएम बिजली की खपत बढ़ी

जिले में दिसंबर व जनवरी में 130 मेगा वोल्ट एंपियर बिजली की खपत होती थी, लेकिन अब यह बढ़कर 180 मेगा वोल्ट एंपियर हो गया है। गर्मी बढ़ने के साथ बिजली की खपत ज्यादा हो रही है। जिले में 4.30 लाख बिजली के उपभोक्ता हैं।

मातृत्व सुख से वंचित कर सकता है तम्बाकू का सेवन

गर्भस्थ के मस्तिष्क और फेफड़ों पर भी पड़ता है असर– डॉ. सुजाता देव

दैनिक बुद्ध का सन्देश

लखनऊ। राष्ट्रीय परिवार एवं स्वास्थ्य सर्वेक्षण–5 (2019–21) के अनुसार 15 साल से अधिक आयु की 8.4 फीसद महिलाएं तंबाकू का किसी न किसी रूप में सेवन करती हैं। तंबाकू व अन्य तम्बाकू उत्पाद के सेवन से महिला को गर्भ धारण के साथ ही भ्रूण और बच्चे के विकास दोनों का ही खतरा होता है द्य तंबाकू और इसके उत्पाद में निकोटीन और अन्य तरह के रसायन होते हैं जो कि गर्भवती, गर्भस्थ शिशु तथा बच्चे के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालते हैं। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय की वरिष्ठ महिला रोग विशेषज्ञ डा. सुजाता देव बताती हैं कि जो महिलाएं धूम्रपान करती हैं उन्हें गर्भधारण में बहुत दिक्कत होती

हैद्य इस बात का भी खतरा रहता है कि वह कभी माँ नहीं बन सकती हैं तथा गर्भपात होने की संभावना भी होती है। इसके साथ ही माँ में खून की कमी भी हो सकती है क्योंकि धूम्रपान शरीर में विटामिन सी की मात्रा को काम करता है जो कि आयरन के अवशोषण में अहम भूमिका निभाता है। गर्भावस्था के दौरान धूम्रपान करने से गर्भस्थ शिशु के मस्तिष्क और फेफड़ों के ऊतकों के नष्ट होने की संभावना भी होती हैद्य इसके साथ ही कुछ शोधों से यह निष्कर्ष भी सामने आए हैं कि नवजात को जन्मजात विकृति जैसे कटे होंठ (क्लेफ्ट लिप्स) भी हो सकते हैं। धूम्रपान व अन्य तंबाकू उत्पादों के सेवन से गर्भावस्था के दौरान डायबिटीज भी हो सकती है। इसके अलावा समय से पहले बच्चे का जन्म, मृत बच्चे का जन्म, जन्मजात विकृति, कम वजन के बच्चे का जन्म, प्रीएक्लेम्पसिया भी हो सकता है। इस संबंध में साल 2021 के इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेस एंड रिसर्च में प्रकाशित शोध के परिणाम के अनुसार महिला द्वारा किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन उसके और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य के लिये हानिकारक है द्य तंबाकू और उसके उत्पादों के सेवन से होने वाली मृत्यु और बीमारी को रोकने के लिए से गर्भावस्था के दौरान इसका सेवन नहीं करना चाहिए यह शोध द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित था द्य इसमें साल 2006 से 2020 तक तंबाकू व मातृ धूम्रपान पर आधारित 29 शोधों को पढ़कर रिव्यू कर एक नया शोध सामने आया द्य 29 शोधों में जो उत्तरदाता थे वह 12 से45 साल व उससे ज्यादा उम्र की 11,34,769 महिलाएं थीं। आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पाया गया कि कुल 22.26 फीसद माताएं धूम्रपान कर रही थीं द्य इसमें उन महिलाओं का प्रतिशत ज्यादा था जो निरक्षर, निम्न आय स्तर, ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली, गृहिणी और उनके पति भी धूम्रपान करते थे। इनमें गर्भावस्था के हानिकारक परिणाम सामने आने के साथ ही उनका स्वयं का स्वास्थ्य भी सही नहीं था। इनमें जहां 23.27 फीसद माताओं का वजन कम था वहीं 62.46 फीसद माताओं में खून की कमी थी। समय से पहले 12.86 फीसद बच्चों का जन्म हुआ, 8.76 फीसद बच्चों का वजन जन्म के समय कम था। 79 फीसद बच्चों की लंबाई जन्म के समय कम थी और 15.77 प्रतिशत बच्चे मोटापे से ग्रसित थे।

प्रधानमंत्री आवास योजनान्तर्गत निर्माणाधीन आवासों के निर्माण कार्यों की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने कल सायं कैम्प कार्यालय में मनरेगा योजनान्तर्गत जनपद में निर्मित होने वाले तालाबोंके निर्माण कार्यों के प्रगति की समीक्षा की, इस दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में जो भी तालाब बनाये गये हैं, जिसके आस–पास नहर है, उन तालाबों को नहरों से जोड़कर उसमें जल भराव का कार्य किया जाये, जिससे कि गर्मी के दिनों में भी पशु, पक्षियों को पीने के लिए पानी की उपलब्धता बनी रहें, इसी प्रकार से जिलाधिकारी महोदय ने जनपद में प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत बनने वाले आवासों के प्रगति की

समीक्षा की, तो यह तथ्य संज्ञान में आया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत आवासों के निर्माण कार्यों की प्रगति धीमी है, जिस पर जिलाधिकारी ने परियोजना निदेशक(डी0आर0डी0ए0) व समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत बनने वाले आवासों के निर्माण कार्यों में तेजी लाया जाये और आवास योजना के लाभार्थियों के किश्तों का भुगतान नियमानुसार समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाये, अनावश्यक रूप से लाभार्थियों को परेशान न किया जाये, लाभार्थियों को अनावश्यक रूप से परेशान करने सम्बन्धी शिकायत प्राप्त होती है, तो सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार, जिला विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान, परियोजना निदेशक आर0एस0 मौर्या, उप निदेशक कृषि श्री दिनेश कुमार गुप्ता, जिला कृषि अधिकारी एच0आर0 मिश्रा, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

सूपा बक्शी में इंडियन ऑयल द्वारा एलपीजी सुरक्षा कैंप का आयोजन किया गया

सुरक्षा मानकों का पालन करके दुर्घटनाओं से बचे– एरिया प्रबंधक एनसी प्रवीन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी,सिद्धार्थनगर। ग्राम सूपा बक्शी में इंडियन ऑयल द्वारा

उपभोक्ताओं के साथ एल0पी0जी0 सुरक्षा कैंप का आयोजन किया गया जिसमे विभिन्न एजेंसियों के कर्मचारियों के साथ इंडियन ऑयल एरिया बस्ती के प्रबंधक एन0सी0प्रवीन0 ने भाग लिया। कैम्प मे विशाल जायसवाल एव मो. शहजाद द्वारा एल. पी. जी प्रयोग करते समय सुरक्षा मानकों के बारे में विस्तार से बताया गया। कहां गया कि गैस मानकों को रेगुलेटर खुला न छोड़ें, रात में रेगुलेटर बन्द करने गैस चूल्हा को कम से कम 3 फिट ऊपर रखने तथा मानक के होज पाइप उपयोग में लाने की बारे में बताया गया। इंडियन ऑयल बस्ती के प्रबंधक एन. सी. प्रवीन ने बताया गया की एल. पी.जी. उपभोगताओ को हाई थर्मल चूल्हा उपयोग करना चाहिए जिसके प्रति गैस की बचत होती है, इस प्रकार प्रति सिलेंडर 100 रूपये की गैस बचत हो सकती है। और सभी को होज पाइप हर पाच साल में बदलना चाहिए ।इस दौरान बड़ी संख्या में उपभोक्ता मौजूद रहे।

स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत साफसफाई सतत एवं सुचारू ढंग से की जाये सुनिश्चितःअपर जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अपर जिलाधिकारीध्प्र0अ0 (स्था0नि0) सहदेव कुमार मिश्र ने अवगत कराया है कि भारत सरकार व उ0प्र0 शासन द्वारा नगरीय स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं का संचालन किये जाने के लिए निरन्तर निर्देश प्राप्त हो रहे हैं, किन्तु जनपदीय स्तर पर उसका समुचित क्रियान्वयन अथवा अनुपालन न होने की मीडिया के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सम्बन्धित नगर निकाय के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही के लिए निर्देशित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जनपद में अवस्थित नगर निकायों में शासन के निर्देशानुरूप कार्यवाही किया जाना एवं अभियान के रूप में साफ–सफाई की सतत् एवं सुचारू व्यवस्था होने एवं उसकी प्रत्येक स्तर पर निगरानी होने के बावजूद भी यदि मीडिया के माध्यम से सफाई की शिकायतें प्राप्त हो रही है, तो यह अत्यन्त चिन्ताजनक है। उन्होंने बताया कि आगामी 22 अप्रैल, 2023 को ईद–उल–फितर का त्यौहार है तथा 23 अप्रैल, 2023 को परशुराम जयंती का पर्व है, ईद–उल–फितर पर्व के दौरान प्रमुख ईदगाहों, मस्जिदों आदि क्षेत्रों में गहनता पूर्वक साफ–सफाई, दवा छिड़काव आदि सुनिश्चित किया जाना अपेक्षित है। इसी प्रकार 23 अप्रैल, 2023 को परशुराम जयन्ती के अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के द्वारा जुलूस आदि का कार्यक्रम किया जाता है, जिसके दौरान भी समुचित साफ–सफाई एवं पेयजल आदि की उपलब्धता अपेक्षित है। उक्त दोनों पर्वों के दौरान व अन्य सामान्य दिवसों में भी ''जनपद के समस्त नगर निकायों में सभी अधिशासी अधिकारीगण अपेक्षित व्यवस्थायें सुनिश्चित करायें तथा स्वयं निरीक्षणध्भ्रमण करते हुए सफाई कार्यों की निगरानी रखें तथा ग्रुप में सफाई व्यवस्था के दौरान किये जा रहे कार्यों के फोटोग्राफ्स भी भेजें जिससे किसी भी नगर निकाय में सफाई व्यवस्था को लेकर कोई शिकायत प्राप्त न हो सके।'' उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद के समस्त नगर निकायों में उपरोक्तानुसार अभियान चलाकर समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये, जिससे शासन स्तर से की जा रही निगरानी में कोई कमी परिलक्षित न हो सके। स्पष्टतः भविष्य में शासन के निर्देशानुसार किसी भी निकाय से सफाई व्यवस्था में कमी पाये जाने की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी मानते हुए तदनुरूप कड़ी कार्यवाही किया जाना बाध्यता होगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 मई को

अधिक से अधिक उपयुक्त प्रकरणों का किया जायेगा निस्तारण–सचिव (पूर्णकालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सचिव (पूर्णकालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सत्यजीत पाठक ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय लोक अदालत 13 मई, 2023 के सफलतापूर्वक आयोजन एवं अधिकाधिक उपयुक्त प्रकरणों के निस्तारण के लिए आज सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र के विश्राम कक्ष में प्रशासनिक एवं पुलिस

अधिकारियों की बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में अपर जिलाधिकारी सहदेव मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह समस्त उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदार उपस्थित रहें। उन्होंने बताया कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक उपयुक्त प्रकरणों के निस्तारित करने का निर्देश दिया गया, इस निमित्त उनके द्वारा अपर जिलाधिकारी से अपेक्षा की गयी कि वे समस्त प्रशासनिक विभागों व अनुभागों को इस संबंध में दिशा–निर्देश जारी करें। अपर जिलाधिकारी द्वारा पूर्व की तुलना में संख्या की दृष्टि से अधिक प्रकरणों के निस्तारण की संभावना प्रकट की गयी। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा सुझाव दिया गया कि तामीला के लिए समस्त न्यायालयों, बैंकों एवं अन्य प्रतिष्ठानों से 05 मई, 2023 तक नोटिस प्राप्त कर संबंधित थाने को भेज दी जावे, ताकि समय से पूर्व, उन्हें सेवित कराकर वापस प्राप्त कराया जा सके। निकाय चुनाव के मतगणना तिथि को ही राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित होने के कारण, सचिव द्वारा आग्रह किया गया कि दोनों महत्वपूर्ण कार्यों में सतुलन स्थापित कर राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जावें।

जनसंख्या वृद्धि रोकने हेतु जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की मांग- एड पवन कुमार सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अलग पूर्वांचल राज्य की मांग कर रहे संगठन पूर्वांचल राज्य जनमोर्चा तहसील रावटसगंज सोनभद्र में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की मांग की। मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव एड पवन कुमार सिंह प्रेस

विज्ञप्ति में कहा कि चीन को पछाड़ते हुए भारत अब दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की बुधवार को जारी 'द स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट 2023' में ये जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की जनसंख्या 1,428.6 मिलियन यानी 142.86 करोड़ हो गई है, वहीं चीन की जनसंख्या 1,425.7 मिलियन यानी 142.57 करोड़ है। दोनों देशों की आबादी में सिर्फ 29 लाख का अंतर है। यानि एक पर एक खड़े हों तो 6 बार चांद नाप दें। अमेरिका की तुलना में एक तिहाई भूमि है जबकि जनसंख्या की दर अमेरिका की तुलना में आठ गुना है। अमेरिका में एक दिन में 10 हजार बच्चे जन्म लेते हैं जबकि भारत में एक दिन में 86000 बच्चे जन्म लेते हैं। जनसंख्या विस्फोट ज्यादातर समस्याओं की जड़ है। उक्त अवसर पर डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के महामंत्री एड विमल प्रसाद सिंह एवं पूर्व महामंत्री एड सुरेश सिंह कुशवाहा, संदीप जायसवाल आदि मौजूद रहे।

स्टार आफ द डे से सुशोभित किए गए सोनबरसा के बच्चे

■ स्टार आफ द डेश् रहे बच्चों को शिक्षक बलजीत सिंह कनौजिया ने किया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। गुरुवार को शिक्षा क्षेत्र मनकापुर के कम्पोजिट विद्यालय सोनबरसा बक्सरा आज्ञाराम में बच्चों में एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकास हेतु श्स्टार आफ द डेश् चुनने

की परम्परा की शुरुआत की गई।इसी प्रकार भविष्य में श्स्टार आफ द वीकश् श्स्टार आफ द मंथश् तथा श्स्टार आफ द ईयरश् चुनकर बच्चों को सम्मानित करने की घोषणा की गई।इस प्रतिस्पर्धा में ऐसे बच्चों का चयन किया जाएगा जो नियमित, अनुशासित, स्वच्छता प्रिय, लगनशील, कर्त्तव्यनिष्ठ, सुशील हों तथा जिसमें कुछ नया कर गुजरने की ललक हो। आज श्स्टार आफ द डेश् चुने गए बच्चे हैं शिवपूजन,अजीत, माधुरी, ज्योति, नैन्सी, सुषमा, पूनम, संध्या,अमन, मुनिया तिवारी,संजू निषाद तथा संगीता इन बच्चों को सम्मान स्वरूप मुकुट पहनाकर तथा पुरस्कार स्वरूप ड्राइंग बुक, ज्योमेट्री बाक्स दिया गया। इसमें आज की खास बात यह रही कि इस लिस्ट में एक दिव्यांग छात्रा नैन्सी भी है। जिसका एक कान तो है ही नहीं तथा दूसरा है भी तो इस तरह विकृत है कि सुनने की क्षमता बहुत कम है। फिर भी ये बिटिया प्रतिदिन साफ सफाई के साथ आती है।ऐसी अक्षमता होते हुए भी ये अच्छे चित्र बना लेती है व लिखती भी अच्छा है। इस अवसर पर शिक्षक बलजीत सिंह कनौजिया, राम अनुज, शताब्दी वर्मा, देवेंद्र प्रताप, चित्रावती मौर्य, अमर ज्योति, पूनम यादव के साथ बच्चे व रसोइया उपस्थित रहे।

थाना छपिया में लावारिस वाहनों की हुई नीलामी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

छपिया, गोंडा। बृहस्पतिवार को उच्चाधिकारियों के निर्देश पर

नायब तहसीलदार अमित यादव व थाना प्रभारी शतानंद पाण्डेय की देखरेख में थाना परिसर में खड़े लावारिस 6 वाहनों की नीलामी संपन्न हुई। थाना अध्यक्ष शतानंद पांडे ने बताया कि आज दिनांक 20.04.2023 को थाना प्रांगण में आपरेशन क्लीन के अंतर्गत नायब तहसीलदार मनकापुर की मौजूदगी में थाना प्रांगण में खड़े 07 अदद लावारिशध्सीज(06 अदद मोटर साइकल वाहन व 01अदद चार पहिया आल्टो वाहन की नीलामी प्रकिया सम्पन्न की गई।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
राष्ट्रीय दैनिक बुद्ध का संदेश	
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

गोंधराज लेबू को डाइट में शामिल करने के लिए ये 5 रेसिपी आजमाएं

गोंधराज लेबू एक तरह का फल है, जो काफिर लाइम की तरह स्वाद में खट्टा होता है। यह फल सिट्रोनेलोल, नेरोल, लिमोनेन, विटामिन सी और अल्कलॉइड्स जैसे आवश्यक यौगिकों से भरपूर होता है, जो स्वास्थ्य को कई लाभ देने के साथ–साथ व्यंजनों में एक अच्छा स्वाद जोड़ सकते हैं। आइए आज हम आपको गोंधराज लेबू की 5 रेसिपी बताते हैं, जिनके जरिए आप इस स्वास्थ्यवर्धक फल को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

गोंधराज मोमोजः सबसे पहले मैदा, पानी, गोंधराज लेबू का रस और कुकिंग ऑयल को मिलाकर नरम आटा गूंथ लें। अब फिलिंग के लिए एक कटोरे में बारीक कटी सब्जियां, सोया सॉस, काली मिर्च, नमक, गोंधराज लेबू का छिलका, अदरक–लहसुन का पेस्ट, प्याज और गोंधराज नींबू का रस मिलाएं। इसके बाद आटे की छोटी–छोटी लोईयां बेलकर उनमें स्टफिंग डालें और आटे को सील कर दें। अंत में मोमोज को 10–12 मिनट के लिए स्टीम करें, फिर इन्हें शेजवन सॉस के साथ गरमागरम परोसें।

गोंधराज पुलावः सबसे पहले चावल को धोकर छान लें और एक तरफ रख दें। अब पानी, दही और गोंधराज रस को एक साथ मिलाएं, फिर काजू और किशमिश को घी में भूनकर इसमें चावल डालें और 3–5 मिनट तक भूनें। इसके बाद एक कटोरे में तैयार गोंधराज मिश्रण, नमक, चीनी, गोंधराज के पत्ते, काजू, किशमिश और गरम पानी डालकर इसे पका लें। अंत में इसमें गोंधराज का छिलका और घी डालकर 10–12 मिनट के लिए रख दें, फिर इसे परोसें।

नारियल और गोंधराज लेबू पुडिंग

सबसे पहले नारियल के दूध में चीनी डालकर इसे 2 मिनट तक पकाएं। अब इसमें अगर–अगर डालकर फिर से पकाएं और मिश्रण को छानकर सांचों में डालें, फिर एक घंटे के लिए इसे फ्रिज में रखें। इसके बाद गोंधराज के रस, पानी, चीनी और गोंधराज लेबू के छिलकों को एक साथ पकाएं और मिश्रण को फ्रिज में रख दें। अंत में मिश्रण को डी–मोल्ड करें और इसे ठंडा–ठंडा परोसें।

गोंधराज आइसक्रीम

सबसे पहले एक कटोरे में फ्रेश क्रीम और पिसी चीनी के साथ फेंटे, फिर इसमें गोंधराज का रस और कंडेंस्ड मिल्क डालकर फिर से फेंटें। अब इस मिश्रण को एक पैन में डालें और ऊपर से इस पर गोंधराज के छिलके का रस छिड़कें, फिर पैन को एल्युमिनियम फॉयल से ढकें और इसे 2 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। अंत में मिश्रण को फिर से फेंटें और रातभर के लिए फ्रिज में रखने के बाद अगले दिन खाएं।

गोंधराज लेबू एनर्जी ड्रिंक

इससे न सिर्फ शरीर को भरपूर ऊर्जा और ठंडक मिलेगी, बल्कि यह एक हाइड्रेटिंग ड्रिंक भी है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले अनानास और गोंधराज लेबू को छीलकर टुकड़ों में काट लें, फिर इन्हें एक जूसर में डालकर पीसें। अब जूस को बारीक छन्नी से छानकर गिलास में डालें और फिर गिलास में बर्फ के कुछ टुकड़े डालें। अंत में इस ताजी और ठंडी–ठंडी ड्रिंक का सेवन करें।

फ्रंट कट गाउन पहन रकुल प्रीत ने फ्लॉन्ट की क्लीवेज

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने ग्लैमरस लुक्स और स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट

बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो फैंस के बीच तेजी चर्चाओं में आ जाती हैं। हालांकि लोग उनके स्टाइल को देखकर अक्सर उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। हाल ही में उनकी लेटेस्ट तस्वीरों में एक्ट्रेस रकुल ने काफी रिवीलिंग गाउन पहना हुआ है जिसे देख कर फैंस अपना दिल हार गए हैं। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर एक बार फिर से इंटरनेट पर सनसनी मचा दी है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस का हॉट लुक देख कर फैंस उनकी तारीफ को पुल बांधते नहीं थक रहे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस अपने हर लुक में बेहद ही शानदार लगती हैं। उनका मेकअप भी हमेशा ऑन प्वॉइंट रहता है। अपनी इन लेटेस्ट तस्वीरों में रकुल प्रीत ने रेड कलर का फ्रंट–कट गाउन पहना हुआ है जिसमें वो बेहद ही ग्लैमरस दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपना डीपनेक क्लीवेज फ्लॉन्ट करते हुए बेहद ही सेक्सी पोज दे रही हैं। उन्होंने अपने इस आउटफिट को और भी ज्यादा खूबसूरती से निखारने के लिए लाइट मेकअप और बालों को स्टाइलिश लुक में बांधा हुआ है एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और उनकी इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है। बता दें कि अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह अपनी एक्टिंग के साथ–साथ शानदार लुक्स के लिए भी जानी जाती हैं।

बॉबी देओल, रणबीर कपूर ने पूरी की एनिमल की शूटिंग

बॉबी देओल और रणबीर कपूर की अपकमिंग फिल्म एनिमल की शूटिंग हाल ही में पूरी हुई। ऑनलाइन सामने आए एक वीडियो में दोनों एक्टर्स सेट पर रैप–अप पार्टी करते नजर आ रहे हैं और केक काट रहे हैं। वीडियो में पूरी टीम को जश्न मनाते हुए देखा जा सकता है। शूटिंग खत्म करते हुए, बॉबी ने कहा, सेट पर बिताया गया हर पल शानदार था। रणबीर के साथ काम करने में काफी मजा आया, वह अच्छे को–स्टार हैं और एनीमल की पूरी टीम बहुत खुश है।

मैं उत्साहित हूं और रिलीज का इंतजार कर रहा हूं। बॉबी के नए लुक में उनका दमदार और मस्कुलर अवतार है। फिल्म के अपने किरदार के लिए उन्होंने अपनी फिजिस्क पर खूब मेहनत की है। एनिमल का निर्माण भूषण कुमार और कृष्ण कुमार की टी–सीरीज, मुराद खेतानी के सिने1 स्टूडियो और प्रणय रेड्डी वांगा की भद्रकाली पिक्चर्स द्वारा किया गया है। फिल्म में अनिल कपूर और रश्मिका मंदाना भी हैं। यह 15 अगस्त को रिलीज होने वाली है।

सारा अली खान ने पूरी की मर्डर मुबारक की शूटिंग, शेयर की तस्वीर

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान आने वाले दिनों में एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगी। मर्डर मुबारक उनकी आने वाली बहुचर्चित फिल्मों में शुमार हैं। सारा के प्रशंसक उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब सारा ने मर्डर मुबारक की शूटिंग पूरी कर ली है। इस फिल्म में सारा के साथ करिश्मा कपूर, विजय वर्मा, संजय कपूर, पंकज त्रिपाठी, डिंपल कपाडिया और टिस्का चोपड़ा जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। संजय ने बुधवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर मर्डर मुबारक की टीम के साथ कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, मर्डर मुबारक की शूटिंग पूरी हो चुकी है। शानदार टीम। धमाका। हर किसी को याद करूंगा। इसके अलावा करिश्मा ने भी अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, मुबारक की शूटिंग खत्म। हमने पार्टी में डिंपल और पंकज को याद किया। बहुत शानदार टीम है। इसके अलावा सारा जरा हटके जरा बच के रोमांटिक ड्रामा फिल्म में विक्की कौशल के साथ नजर आएंगी। वह करण जौहर की अगली फिल्म ऐ वतन मेरे वतन में भी नजर आएंगी, जिसमें वह 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन की पृष्ठभूमि के खिलाफ एक काल्पनिक कहानी में बहादुर स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका निभाएंगी।

वजन कम करने के लिए फायदेमंद है आंवला, इन 4 तरीकों से करें सेवन

आंवला सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन सी, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम, फ्लैवोनोइड्स और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। आंवले का सेवन करने से शरीर को कई फायदे मिलते हैं। इसमें मौजूद विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। आंवले में मौजूद गुण डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर के खतरे को कम करने में बहुत प्रभावी होते हैं। इसके अलावा, वजन कम करने के लिए आंवले का सेवन बहुत लाभकारी माना जाता है। नियमित रूप से इसका सेवन करने से शरीर में मौजूद एक्स्ट्रा फैट तेजी से बर्न होता है। आंवले में एंटी–ओबेसिटी गुण होते हैं, जो वजन घटाने का काम करते हैं। इसके नियमित सेवन से शरीर का मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है और शरीर में ऊर्जा की खपत बढ़ती है। अब सवाल यह उठता है कि वजन घटाने के लिए आंवला कैसे खाएं? तो चलिए, डायटीशियन अबरना मैथ्यूवनन से जानते हैं वजन कम करने के लिए खीरे का सेवन कैसे करें –

वजन कम करने के लिए आंवला कैसे खाएं?

आंवले का जूसः अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो अपनी डाइट में आंवले का जूस शामिल कर सकते हैं। रोजाना सुबह खाली पेट आंवले का जूस पीने से शरीर में जमा विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाएंगे और वजन घटाने में मदद मिलेगी। आंवले का जूस बनाने के लिए आप 1–2 आंवला लें। इसे अच्छी तरह से धोकर काट लें और इनके बीज निकाल दें। अब इन्हें मिक्सी में डालकर इनका जूस तैयार कर लें। नियमित रूप से आंवले का जूस पीने से बैली फैट कम करने में भी मदद मिल सकती है।

आंवला पाउडरः आप चाहें तो वजन कम करने के लिए आंवला पाउडर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसके लिए आप एक चम्मच आंवला पाउडर को गुनगुने पानी के साथ लें। रोज सुबह खाली पेट पानी के साथ आंवला पाउडर लेने से वेट लॉस में काफी मदद मिल सकती है। साथ ही, पेट साफ करने में भी मदद मिलेगी।

खाली पेट खाएं आंवलाः सुबह खाली पेट आंवला खाने से भी आपको वजन घटाने में मदद मिल सकती है। आंवले में प्रचुर मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है। खाली पेट आंवला खाने से पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है और मेटाबॉलिज्म को भी बढ़ावा मिलता है। इससे शरीर में जमा एक्स्ट्रा चर्बी बर्न होती है और वजन कम होता है। आंवला और एलोवेरा जूसः वजन कम करने के लिए आंवला और एलोवेरा जूस का सेवन करना बहुत फायदेमंद होता है। इसके लिए आप दो चम्मच एलोवेरा जूस और दो चम्मच आंवला जूस लें। इन दोनों को एक गिलास गुनगुने पानी में मिलाकर पी लें। आप रोज सुबह खाली पेट आंवला और एलोवेरा जूस पी सकते हैं। नियमित रूप से इन जूस का सेवन करने से वजन कंट्रोल करने में काफी मदद मिल सकती है। अगर आप भी वजन कम करना चाहते हैं, तो इन तरीकों से आंवला का सेवन कर सकते हैं। हालांकि, अगर आप प्रेग्नेंट हैं या किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, तो इसका सेवन करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।